संलग्नक क्र.4

कार्यवाही विवरण

मेसर्स शुभ मिनरर्ल्स प्राईवेट लिमिटेड (छेलफोरा डोलोमाईट क्वारी, प्रो.–श्री प्रतीश कुमार गोयल), ग्राम–छेलफोरा, (ब्लॉक–1), तहसील–सरिया (बरमकेला), जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.) स्थित खसरा क्रमांक 206, 207/3, 208, 210/1, 211, 212, 214/3 एवं 214/4, कुल क्षेत्रफल 1.683 हेक्टेयर में प्रस्तावित डोलोमाईट (गौण खनिज) खदान उत्खनन क्षमता 1,00,000 टन प्रतिवर्ष की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 18.11.2024 का कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स शुभ मिनरर्ल्स प्राईवेट लिमिटेड (छेलफोरा डोलोमाईट क्वारी, प्रो.–श्री प्रतीश कुमार गोयल), ग्राम–छेलफोरा, (ब्लॉक–1), तहसील–सरिया (बरमकेला), जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.) स्थित खसरा क्रमांक 206, 207/3, 208, 210/1, 211, 212, 214/3 एवं 214/4, कुल क्षेत्रफल 1.683 हेक्टेयर में प्रस्तावित डोलोमाईट (गौण खनिज) खदान उत्खनन क्षमता 1,00,000 टन प्रतिवर्ष की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 18.11.2024, दिन–सोमवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थल–परियोजना स्थल–आदर्श ग्राम गौठान, छैलफोरा नौघटा, तहसील–सरिया (बरमकेला), जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.)** में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी सारंगढ़–बिलाईगढ, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सारंगढ़–बिलाईगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा सारंगढ़–बिलाईगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगों का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, साथ ही कोविड 19 के संबंध में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश दिनांक 30.09.2020 के अनुसार सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, हेण्डवाश अथवा सेनेटाईजर का उपयोग किये जाने, मास्क पहनने एवं थर्मल स्केनिंग किये जाने की जानकारी दी गई। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रारंभ हुई। आदरणीय पीठसीन अधिकारी, आदरणीय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), आदरणीय क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ़, और सभी अतिथियों का इस लोक सुनवाई में स्वागत है। मैं विशाल कुमार अग्रवाल, छैलफोरा डोलामाईट क्वारी का परियोजना प्रस्तावक हूं। परियोजना संबंधी जानकारी हमारे पर्यावरण सलाहकार के द्वारा बताई जाएगी।

संलग्नक क्र.4

कार्यवाही विवरण

मेसर्स शुभ मिनरल्र्स प्राईवेट लिमिटेड (छेलफोरा डोलोमाईट क्वारी, प्रो.–श्री प्रतीश कुमार गोयल), ग्राम–छेलफोरा, (ब्लॉक–1), तहसील–सरिया (बरमकेला), जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.) स्थित खसरा क्रमांक 206, 207/3, 208, 210/1, 211, 212, 214/3 एवं 214/4, कुल क्षेत्रफल 1.683 हेक्टेयर में प्रस्तावित डोलोमाईट (गौण खनिज) खदान उत्खनन क्षमता 1,00,000 टन प्रतिवर्ष की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 18.11.2024 का कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स शुभ मिनरल्र्स प्राईवेट लिमिटेड (छेलफोरा डोलोमाईट क्वारी, प्रो.–श्री प्रतीश कुमार गोयल), ग्राम–छेलफोरा, (ब्लॉक–1), तहसील–सरिया (बरमकेला), जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.) स्थित खसरा क्रमांक 206, 207/3, 208, 210/1, 211, 212, 214/3 एवं 214/4, कुल क्षेत्रफल 1.683 हेक्टेयर में प्रस्तावित डोलोमाईट (गौण खनिज) खदान उत्खनन क्षमता 1,00,000 टन प्रतिवर्ष की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 18.11.2024, दिन–सोमवार को प्रातः 11:00 बजे से स्थल–परियोजना स्थल–आदर्श ग्राम गौठान, छैलफोरा नौघटा, तहसील–सरिया (बरमकेला), जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.)** में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी सारंगढ़–बिलाईगढ, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सारंगढ़–बिलाईगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा सारंगढ़–बिलाईगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगों का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, साथ ही कोविड 19 के संबंध में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश दिनांक 30.09.2020 के अनुसार सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने, हेण्डवाश अथवा सेनेटाईजर का उपयोग किये जाने, मास्क पहनने एवं थर्मल स्केनिंग किये जाने की जानकारी दी गई। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रांरभ हुई। आदरणीय पीठसीन अधिकारी, आदरणीय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), आदरणीय क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ़, और सभी अतिथियों का इस लोक सुनवाई में स्वागत है। मैं विशाल कुमार अग्रवाल, छैलफोरा डोलामाईट क्वारी का परियोजना प्रस्तावक हूं। परियोजना संबंधी जानकारी हमारे पर्यावरण सलाहकार के द्वारा बताई जाएगी।

जगबन कुमार चंद्रा, पर्यावरण सलाहकार – धन्यवाद सर! आदरणीय पीठासीन अधिकारी महोदय जी अनुविभागीय अधिकारी, आदरणीय क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ़, और गांव से पधारे गण मान्य व्यक्तियों और सभी अतिथियों का पर्यावरण स्वीकृति हेतु आयोजित इस लोक सुनवाई में हार्दिक अभिनंदन है. छैलफोरा डोलामाईट क्वॉरी, ग्राम–छैलफोरा, तहसील सरिया–बरमकेला एवं जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़, राज्य छत्तीसगढ़ में है. कुल खनन पट्टा क्षेत्र 1.683 हेक्टयर कुल प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 1 लाख टन प्रतिवर्ष. आवेदक है मेसर्स शुभम मिनिरल्स प्राइवेट लिमिटेड को–ऑपरेटर श्री सतीश कुमार गोयल जी परियोजना का परिचय पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 और उसके बाद के संशोधनो के अनुसार लघु खनिजों की सभी परियोजनाओ को सम्बंधित पर्यावरण अधिकारी से पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करना अनिवार्य है. प्रस्तावित परियोजना डोलामाईट खदान है जिसका कुल क्षेत्रफल 1.683 हेक्टेयर है. इस परियोजना के परियोजना प्रस्तावक श्री सतीश कुमार गोयल जी है, यह परियोजगा ओपन कास्ट यन्त्र प्रोद्योगिकी के द्वारा की जायेगी जिसमे उत्पादन क्षमता 1 लाख टन प्रतिवर्ष होगी और परियोजना के लगभग कुल अनुमानित लागत 1 करोड़ 10 लाख रूपये है. यह एक नई खदान है जो की निजी भूमि पर होगी। पर्यावरण आकलन समिति के बैठक के दौरान 02.05.09/एसआईएए छत्तीसगढ़ माइंस/02,05,07,09/नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 19.01.2024 द्वारा जारी किया था। परियोजगा बुनियादी जानकारी परियोजना का नाम छैलभोरा डोलामाइट क्वारी, खनन पट्टा क्षेत्र 1.683 हेक्टेयर, परियोजना श्रेणी बी 1 के तहत आ रही है क्योंकि क्लस्टर निर्मित हो रहा है जिसमें कुल 17 खदाने है जिसका कुल क्षेत्रफल 66.97 हेक्टेयर है अनुमानित कर्मचारी की संख्या 10 व्यक्ति, पानी की आवश्यकता 5 केएलडी जूलॉजीकल रिजर्व 12 लाख 50 हजार 694 मेट्रिक टन, माइनवर रिजर्व 5 लाख 43 हजार 457.67 मेट्रिक टन और उत्पादन का लक्ष्य एक लाख टन प्रतिदिन प्रतिवर्ष। अनुमानित पर्यावरणीय प्रभाव और न्यूनि करण के उपाय, बायो गुणवत्ता का प्रभाव खनन कार्य ओपनकास्ट मशीनीकृत विधि से किया जाएगा, वायु प्रदूषण का मुख्य कारण ओवर हेंडलिंग ऑपरेशन भरण व गाड़ियों का परिचालन है, न्यूनि करण के उपाय पानी का छिड़काव वैन में जरूर के हिसाब से किया जाएगा, जरूर पढ़ने पर नियंत्रित प्लास्टिक पूरे डिजाइन पैरामीटर के साथ किया जाएगा, हरिपट्टी का निर्माण सड़कों के किनारे पर और लीज सीमा के ऊपर 7.5 मीटर में किया जाएगा। वाहनों के आवा जाही पर जैसे धूल कण को कम करने के लिए गति सीमा काम रखा जाएगा और खनिज का परिवन के तारपोलीन सीट के साथ कव्हर्ड के द्वारा ही किया जायेगा। ध्वनि पर्यावरण खदान से उत्पन्न ध्वनि यांत्रित खनन कार्य एवं परिवहन गतिविधियों के कारण होता है, खनन गति के उद्योग के कारण जो प्रभावों होंगे ये उनके न्यूनिकरण के सभी स्रोतों से शोर के समय समय पर और विशेष रूप से संचालन के समय कम करने की कोशिश की जाएगी, मशीनों से उत्पन्न शोर को नियमित अंतराल पर तेल और ग्रीस लगाकर उचित रखरखाव कर काम किया जाएगा, जली पर्यावरण का जो प्रभाव होंगे उनकी न्यनिकरण के लिए श्रमिकों को भोजन एवं प्लास्टिक इत्यादि फेंकने का अनुमति खनन के अंदर नहीं दी जाएगी उसके लिए डस्टबिन की व्यवस्था की जाएगी और खदान को चारों ओर तरफ से तारों के द्वारा घेरा जाएगा तथा गेट लगाया जाएगा। रसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा और हेल्दीक स्वास्थ्य सुरक्षा सुविधा खदान कर्मचारियों को खान

अधिनियम के प्रावधान के अनुसार दिया जाएगा, खदान स्थल पर प्रथम सहायता बॉक्स काम के स्थानों पर रखा जाएगा, परियोजना से जो लाभ होंगे चिकित्सा व्यवस्था करना तथा शैक्षिक सुविधायें, सड़क के किनारे नागरिक सुविधाओं के निकट वृक्षारोपण किया जाएगा, सामाजिक जो लाभ होंगे श्रमिकों के लिए नियमित रूप से मासिक आय वाणिज्यिक गतिविधियों के माध्यम से घरेलू आय में वृद्धि होगी, रोजगार स्थानीय लोगों के लिए बढ़ जाएगा, रॉयल्टी के माध्यम से अतिरिक्त राज राजस्व का सीजन होगा और कॉर्पोरेट एनवायरनमेंट रिस्पांसबिलिटी के तहत गांव के सरकारी स्कूल में पानी पीने की व्यवस्था, टॉयलेट में पानी सप्लाई की व्यवस्था, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं पौधारोपण किया जाएगा धन्यवाद।

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणजनों/परिवार, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारियों, समुदायिक संस्थानों, पत्रकारगणों तथा जन सामान्य से अनुरोध किया कि वे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, जनहित से संबंधित मुद्दों पर अपना सुझाव, विचार, आपत्तियां अन्य कोई तथ्य लिखित या मौखिक में प्रस्तुत करना चाहते है तो सादर आमंत्रित है। यहां सम्पूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई जा रही है।

आपके द्वारा रखे गये तथ्यों, वक्तव्यों/बातों के अभिलेखन की कार्यवाही की जायेगी तथा आपसे प्राप्त सुझाव, आपत्ति तथा ज्वलंत मुद्दों पर प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार द्वारा बिन्दुवार तथ्यात्मक स्पष्टीकरण भी दिया जायेगा। सम्पूर्ण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जायेगी, पुनः अनुरोध किया कि आप जो भी विचार, सुझाव, आपत्ति रखे संक्षिप्त, सारगर्भित तथा तथ्यात्मक रखें ताकि सभी को सुनवाई का पर्याप्त अवसर मिले तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध किया गया।

इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. **जयंत बहिदार, रायगढ़** – आदरणीय पीठासीन अधिकारी महोदय, पर्यावरण अधिकारी महोदय, एस.डी.एम. अधिकारी महोदय मैं आपलोगों से कहना चाहता हूं कि लोक सुनवाई में दो अधिकरी बैठते हैं और जो संचालन करते हैं एक या तो जिला डण्डाधिकारी या फिर उनके अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी और संयुक्त कलेक्टर महोदय मैं आपसे क्षमा मांगते हुए बोल रहा हूं, बहुत ही आपका मैं सम्मान करता हूं कि संयुक्त कलेक्टर महोदय प्रिसायडिंग नही कर सकते आप कृपया पीठासीन अधिकारी नहीं बन सकते, आदरणीय एस. डी.एम साहब से भी क्षमा मांगते हुए कहुंगा कि ओ मंच पे नहीं बैठ सकते। इस पर फैसला आप करिये फिर मैं आगे बढूंगा। ये जनसुनवाई अवैध है अगर आप पीठासीन अधिकारी रहते हैं ये जनसुनवाई अवैध है और इसको यही बंद कर देना चाहिए। अगर हमारे जिले में सारंगढ़ नये जिले में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नही है तो आदरणीय जिला दण्डाधिकारी कलेक्टर महोदय है उनको आ करके डिसाइड करना था अगर नहीं आये हैं जो इसको यही रोक दीजिए फिर किसी दिन रखिये

पर्यावरण अधिकारी – ई.आई.ए. के प्रावधान के अनुसार ज्वाईन्ट कलेक्टर या एस.डी.एम कोई भी पीठासीन अधिकारी हो सकता है। आपको उसकी प्रति उपलब्ध करा दी जायेगी।

जयंत बहिदार – तो मैं तो यही कहूंगा कि आदरणीय एस.डी.एम साहब सहसम्मान, उसकी कॉपी दे देगें मेरे को, तो मैं यही कहूंगा कि जो कन्सल्टेंट महोदय आये थे उनका जो हमारे नेबेट में पर्यावरण में मंत्रालय का कन्सल्टेंट कम्पनियों को लायसेंस देने का जो अधिकार है, मैं चालू साधारण सा देशी भाषा में बोल रहा हूं, एकदम कानूनी भाषा में नही जा रहा हूं उनका वैलिडिटी जो डेट है वो समाप्त हो गया है 2023 में तो आज साहब को यहां बोलने का अधिकार अच्छा शब्द नही मिल रहा है तो पिछला अधिकार नहीं है और कन्सल्टेंट महोदय को अपने रिपोर्ट के बारे में यहां प्रस्तुतीकरण देने का अधिकार तो नहीं था। इसलिये ये जनसुनवाई भी अवैध है ये जनसुनवाई को रोकना चाहिए। चुकि अभी तो उन्होंने अभी संक्षेप में बता दिया जितने लोक सुनवाई में बाते आयेगी लोग अपनी बात रखेंगे उसका भी स्पष्टीकरण आपको देना होगा, जब आपकी वैधता तिथि समाप्त हो गई है तो आप स्पष्टीकरण या प्रस्तुतीकरण नहीं कर सकते। समय आपका लायसेंस समाप्त हो गया कहने का मतलब, क्योंकि इस कम्पनी का इनका जो कन्सल्टेंट कम्पनी है उसका अधिकार 2023 तक था। कन्सल्टेंट कम्पनी को 2025 तक वैधता है परन्तु इनके अधिकारियों का लायसेंस जो है न वो 2023 तक है। क्या कहना चाहते हैं पर्यावरण अधिकारी महोदय?

पर्यावरण अधिकारी महोदय द्वारा बोला गया – आप अपनी बातें रखिये लास्ट में आपको सारा स्पष्टीकरण दिलवा दूंगा।

जयंत बहिदार – वैसे हमारे टंडन साहब को मैं ये जानकारी दे रहा हूं कि लोकसुनवाई कराने के लिये पर्यावरण मंत्रालय का जो ई.आइ.ए अधिसूचना जो जारी हुआ है 2006 वो पर्यावरण संरक्षण कानून 1986 के तहत बना है और उसमें ई.आइ.ए. अधिसूचना में ये स्पष्ट है कम्पनी का या प्रस्तावित परियोजना का जो प्रस्तावक है या उनका जो कन्सल्टेंट उनको प्रत्येक उपस्थित नागरिक को जो यहां पर है उनका अपना प्रश्न पूछने का स्पष्टीकरण मांगने का अधिकार है। ये स्पष्ट है आप दिखा दीजिये टण्डन साहब तो इसलिये मैं इनसे भी प्रश्न करूंगा कन्सल्टेंट महोदय से तो हम दिखा देगें तो ठीक है आप इनको उपस्थित करिये ताकि हम अपना प्रश्न कर सकें। स्पष्टीकरण मांग सकें। हर आदमी को 5–6 बजे थोड़ी न जवाब देगें जो आयेगे यहां पर ओ अपनी बात यहां पर पूछेगा यही है साहब मैं आपको बता दे रहा हूं। आपलोग के लिये नया जिला है आपलोग नई जिम्मेदारी के साथ बैंठे आपको हम कोर्ट में भी जायेगें टंडन साहब, एस.डी.एम साहब के खिलाफ जायेंगे और फॉरेस्ट विभाग के खिलाफ जायेगें तमाम जो विभाग खनिज विभाग के खिलाफ जायेगें जो झूठी रिपोर्ट दिये हैं उसके खिलाफ भी जायेंगे। कम्पनी के खिलाफ तो जायेगें, कन्सल्टेंट के खिलाफ भी जायेगें अगर ये गलती किये होंगे तो। इसलिये हम कन्सल्टेंट से बात करना चाहतें हैं उनसे प्रश्न पूछना चाहते हैं। आप उन्हें नोट करिये बुलाईये उन्हें या ऐसा बोल दीजिये आपका कहना गलत है जैसे अभी 2–3 तीन बातें अभी आपने बताये कि बाद में बता देगें तो गलत है तो बता दीजिये ताकि हम आगे बढेगें। ई.

आइ.ए अधिसूचना को दिखाइये साहब को। ओ बड़े साहब है फैसला करेगें कि अभी कन्सल्टेंट को जवाब प्रश्न करना है कि बाद में करना है पूछ लीजिये या आप दिखा दीजिये अधिसूचना की कॉपी।

पीठासीन अधिकारी – और कोई चिन्तनीय विषय है तो कहते जाईये रिप्लाई बाद में दिया जायेगा।

जयंत बहिदार – पीठासीन अधिकारी महोदय आप तो समझा दिये क्या टिप्पणी करेंगे सर जब प्रश्न ही नहीं आयेगा सामने तो और क्या टिप्पणी करेंगे? हम बोलते जायेगें आप उसको डिनाइड करेंगे और बाद में जनसुनवाई कम्प्लीट हुआ करके चले जायेंगे, बात अगर रखी जाती है तो उसके साक्ष्य भी आने चाहिये आपको तो हम बोल रहें हैं ई.आइ.ए अधिसूचना लेकर आईये। आप फारेस्ट वाले को क्यों नही बुलाये? यहां जो परियोजना का क्षेत्र है जो बताया है इससे गोमर्डा अभ्यारण 10 कि.मी. की दूरी से भी कम है, अब आपका पुराना डी.एफ.ओ. दे देगा रायगढ़ वाले 12 कि.मी. मानेगें क्या आप उसको? सारंगढ़ वाले डी.एफ.ओ के पास गये थे, 8 कि.मी है यानी 9 कि.मी. से भी कम है गोमर्डा अभ्यारण की सीमा और 10 कि.मी के भीतर में कोई परियोजना मंजूर नहीं हो सकता। पर्यावरण अधिकारी को सब मालूम है, माननीय एस.डी.एम. साहब आपको भी मालूम है, माननीय कलेक्टर महोदय सबको मालूम है यहां कि कितने खदान चल रहें है कितने सब गोमर्डा अभ्यारण की 10 कि.मी. सीमा के भीतर है। क्यों कार्यवाही नहीं करते सो रहें है सब, प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी है कि आम जनता को कोई परेशानी न हो, हमारा मानव अधिकार नहीं है क्या जो हम हवा में सांस लें ये हमारा मौलिक कर्तव्य है आपका भी मौलिक कर्तव्य है कि साफ हवा में सांस लें कितना प्रदूषण है इस क्षेत्र में देख रहें हैं जितना वैध खदान नहीं है उससे दुगुना अवैध खदान चल रहें हैं। सब देख रहें हैं आपलोग, जनता के साथ प्रशासन और पुलिस नहीं है, नहीं हैं आम जनता को मालूम है, निराश हैं सर आम जनता जहां रहेगी पुलिस प्रशासन हमारे साथ नहीं है, उद्योगपतियों के साथ हैं। कितना प्रदूषण पूरा सरिया तक जा रहा है इधर बरमकेला तक जा रहा है ये पत्थर के धूल जंगल में भी रहा है, मनुष्य का तो परेशानी है जंगल के जानवरों को भी खाने को पत्ता नहीं मिला रहा है या प्रदूषित पत्ते या फल को खाते है। अभी स्कूल में पानी छिड़काव कर दिया कितना धूल उड़ता हैं देखें है, आईये तो पेड़–पौधों को देखिये धूल और मिट्‌टी से भरा हुआ है पेड़–पत्ते सब। ई.आइ.ए अधिसूचना 2006 और उसके तमाम संशोधनों और इस परियोजना के लिये टर्म्स ऑफ रिफरेन्स 19.01.2024 को जो विधिवत् जारी हुआ उसकी विधि सम्मत प्रावधानों का शर्तों का पालन करना होगा, ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट में शामिल करना होगा कि इन्होनें नहीं किया, कम्पनी ने अपने ई.आइ.ए रिपोर्ट में बताया है ये नई परियोजना है, इसके लिये अनुमति नहीं मिली है बस यही न इसके और कितने परियोजना है शुभ मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड का इसकी जानकारी नहीं दिया है, बताईये टण्डन साहब को आप, पर्यावरण अधिकारी महोदय कि कितने और परियोजनायें हैं इसके, 3–4 परियोजनायें और चल रहें हैं इसी शुभ मिनरल्स का डोलोमाईट भण्डारण भी है और टूटता है वहां पत्थर पूरे ये नौघटा पंचायत और ये छैलफोरा, बिलाईगढ़, बोन्दा, कटंगपाली सब, वैसे तो गांव का नाम बताऊं तो 32–34 गांव आयेगें ये सब प्रदूषित हैं। इसने अपनी ई.आइ.ए रिपोर्ट में देखिये सर जो खास बात है जिनका इन्होने

उल्लंघन किया है मैं ओ बता रहा हूं नोट करियेगा, यहां पर एक कटंगी नाला बहती है। इस परियोजना क्षेत्र के 200 मीटर से नजदीक है ओ कटंगी नाला और इसका जो शुभ मिनरल्स प्राईवेट लिमिटेड का क्रेशर भी चलता है। ओ बिलाईगढ़ लिखा है देख लीजियेगा। अभी रोड से आये न किनारे में लिखा है। वहां जो उनके खदान का गंदा पानी है गहरा खुदाई करते हैं पानी निकल रहा है सब जो हमारे लोगों की प्यास बुझानी चाहिये जो खेतों की प्यास बुझनी चाहिये जो जानवरों को पानी पिलाना चाहिये ओ पानी तो खदान से निकल जा रहा है। भूमिगत जल वहीं सींचा रहा है अब हो गन्दा पानी को ही ओ कटंगी नाले में छोड़ रहें हैं और कटंगी नाले का जिक्र तक नहीं है। एक बघेल नाली भी बहता है उसका भी उल्लेख नहीं है, महानदी में को 20 कि.मी बता दिये। ठीक है यहो से नापते नापते जायेंगे कर नापते 20 कि.मी. हो जायेगा मगर ओ सब गंदा पानी नाली के बगेल में कटंगी नाली वहां फिर महानदी में जा रहा है। कहां जायेगा? भाई ये तो पेंचमेंट इलाका है कहां जायेगा कटंगी नाला का पानी और ये बोलते है कि हम एक भी गंदा पानी का डिस्चार्ज अपने परिसर से नहीं करते हैं। परिसर में क्या इनका बाउण्ड्री वाल है? परिसर में इन्होनें गंदा पानी जमा करने के लिये क्या कुएं कोड़ कर रखा है, तालाब बनाया हैं नहीं बनाया हैं, यहीं का पानी तो फेकते हैं नाले में। इसलिये ये जनसुनवाई नहीं करना चाहिये। इसने नियम का पालन नहीं किया है इस कम्पनी ने। जो भी प्रतीश अग्रवाल है इन लोगों ने कोई पालन नहीं किया है। 3–4 इनके डोलोमाईट के खदान, पत्थर खदान और क्रेशर भी है उसको बताया? आपने जांच किया पर्यावरण विभाग, वन विभाग जांच करती है, आपका खनिज विभाग जांच करता हैं सब साले चोर हैं। सब चोर हैं ये लोग सब अग्रवाल से पैसा खा रहे हैं।

पीठासीन अधिकारी – असंसदीय भाषा का प्रयोग न करें।

जयंत बहिदार – सुनिये तो चोर बोला। अगर खदान चल रही है तो चोरी हो रहा है और भ्रष्टाचार हो रहा है जो जिम्मेदार अधिकारी हैं खनिज विभाग पर्यावरण विभाग इन लोगों को जांच करना चाहिए सब देख रहे हैं आदमी को गुलाम मत बनाइए अगर आदमी बात रख रहा है तो उनका सुने यहां के स्कूल के बच्चों को डंपर के नीचे आने में देरी नहीं है रोज इनके मां–बाप का सांस थम रहता है कि कब यह स्कूल से आएंगे यह नवघाटा के बच्चे सब बच्चे लोग घर आते हैं तो राहत के सांस लेते हैं कितना खतरे और भयमुक्त जीवन दिया जा रहा है यहां का आदमी यह सब आप लोगों को दिखाई नहीं दे रहा है साग सब्जी सब खत्म हो गया धान का उत्पादन प्रदूषण के कारण अच्छे से नहीं हो रहा है इसलिए रासायनिक दवाई ज्यादा डालते हैं इसलिए यह ज्यादा बिक रहे हैं इसलिए क्योंकि उसको उनको उत्पादन लेना है अपने बाल बच्चों को पालना है आज पूरे दशक में आसपास के गांव छैलपोरा नौघटा में दादागिरी के साथ धमकी दिया गांव वालों को इसलिए कोई नहीं आया है पूरे गांव वाले आते तो देखते क्यों नहीं आए आपको जांच करना चाहिए था ना आप अधिकारी हैं आपको देखना चाहिए था उनको बोलना चाहिए था गांव वाले क्यों नहीं आए जब चुनाव होता है तब आप तो शत्प्रतिशत चुनाव कराने के लिए भिड़े रहते हैं तब 70 प्रतिशत नहीं आते हैं क्योंकि उसमें भी आप लोग इमानदारी से कार्य नहीं करते यहां गांव वाले क्यों नहीं आ पा रहे हैं 10 किलोमीटर के

क्षेत्र में किनके किनके पास ईआईए रिपोर्ट गया है कहां–कहां अध्ययन करवाया है क्या गांव का अनापत्ति लिया है इस परियोजना के लिए दिखाइए उसकी हमें आपको जो मार्च 2016 में भेजा है उसको बता दोगे आप मुझे पता है आदरणीय टंडन साहब इन्होंने जो ड्राफ्ट पर्यावरणीय रिपोर्ट में जो प्रस्तुत किया है उसको हमारे साहू सब जान रहे। हैं 21 मार्च 2016 को ग्राम पंचायत का अनापत्ति मिला और उसमें मिला है कि मंगल मेटल जो फार्म इनका उनको ही निर्णय अनापत्ति दिया है और यह जनसुनवाई हो रहा है जो शुभ मिनरल्स का और वैसे भी 2016 के बाद फिर से चुनाव करने या पंचायत का गठन हो चुका है हो सकता है सरपंच फिर जीत गया होगा मगर कमेटी तो नया है प्रधानमंत्री तो तीन बार बन गए मगर लोकसभा का गठन हर 5 साल में होता है वैसे ही पंचायत का नया गठन हो गया है 3 साल की वैधता रहती है 8 साल की नहीं उसी ग्राम पंचायत अनापत्ति को देखेंगे हमें आज इन्होंने पंच सरपंच से मिलकर के अनापत्ति करवाया है हम वही रखना चाहते हैं बताइए हमें प्रलोभन देकर झूठ बोलकर डरा के धमका के अनापत्ति प्राप्त किया होगा हम वही देखना चाहते हैं उसकी कॉपी हमें दिखाइए साहू साहब आपके पास 5 घंटा है अब उसकी कॉपी मंगवा लीजिए हम अभी देखेंगे और एक चीज बता दे कर कि आप ही का खनिज अधिकारी लिख कर दिया है और जो टी ओ आर जारी किया है पर्यावरण मंत्रालय ने उसमें लिखा है अगर मंगल मेटल ने सहमति पत्र दिया है तो उसका एक पार्टनर ने दिया है महेश गर्ग ने और एक पार्टनर है अशोक जी उसने नहीं दिया है वह भी हम देखना चाहते हैं हो सकता है उसको भी पैसा देकर लिखवा लिया होगा हम लोग सब देखना चाहते हैं और हम जो मांग रहे हैं वह सब चीज आपने नहीं दिखाई तो इस जनसुनवाई को निरस्त कर दीजिएगा इस क्षेत्र से गोमर्डा अभ्यारण कितनी दूरी में है इसका जानकारी मंगवा लीजिए हमारा कहना है 10 मिनट किलोमीटर से कम है इसलिए यह परियोजना अवैध है इसे मंजूरी नहीं दी जा सकती कटंगी नाला इसके गंदे पानी को 50–60 एचपी के मोटर से ऊपर उठकर नदी में मिलाया जाता है जो पुराने खजाने हैं उसका भौतिक जांच कर लीजिए इस प्रतीक अग्रवाल का खदान 30 मीटर से ज्यादा है पूरे क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ गया है पर्यावरण बिगड़ गया है शुद्ध पानी लोगों को पीने के लिए लिमिट है आपका माइक धीरे कर दिया गया है इसलिए मुझे जोर से बोलना पड़ रहा है हम तो आपको भी और ग्रामीणों को भी आग को खोलना चाहते हैं इस कंपनियों को खामियों के बारे में आदिवासी दलित आदमी किसान मजदूर इन सब का आखिरी खोलना चाहते हैं कि उनके विरुद्ध क्या षड्यंत्र हो रहा है वैसे तो भारत सरकार पर्यावरण वन तथा परिवर्तन मंत्रालय ने जो यह रिपोर्ट जारी किया है परिशिष्ट 04 अंतर्गत बिंदु क्रमांक 7.1 में कि जब कंपनी का आवेदन प्राप्त होता है उसे आवेदन के 45 दिवस के भीतर जनसुनवाई होनी चाहिए और अगर नहीं हो रहा है तो यह जो आप पर्यावरण अधिकारी महोदय और पीठासीन अधिकारी महोदय कर जो आप कर रहे हैं यह गलत है यह अवैध है यह पर्यावरण मंत्रालय एवं जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है कि किसी दूसरे एजेंसी को जनसुनवाई करवाने के लिए 45 दिन का अवसर दे 3 महीने से ज्यादा हो गया आप लोग जान सुनाई नहीं करवाए किसकी सुविधा के लिए अपनी सुविधा के लिए कंपनी के

सुविधा फैक्ट्री क्रेशर खदान वाले की सुविधा के लिए, जनता को सुविधा नहीं थी ! क्यों नहीं करवाया 45 दिन के अंदर में! यह भी प्रधानों का उल्लंघन है ग्राम पंचायत का अनापत्ति अवैध है हम लोगों में 20 वर्ष में ऐसे ऐसे मुद्दे उठाए हैं अगर वह कानून सम्मत है तो कलेक्टर साहब उसको स्थगित भी किए हैं डभरा क्षेत्र का जब जांजगीर जिला था उसे समय सिंघनपुर का एथेना फैक्ट्री डीबी पावर को बोर्ड को बढ़ाकर रिक्वेस्ट करके यह सब को हमने स्थगित करवाया है अब तो खाली जनसुनवाई को पूरा कर दो सुनने को मिलता है कोई भी कुछ भी बात रख नहीं सुनना है यह चलन हो गया है कहां जाए आदमी आप देखते नहीं कलेक्टर के जनर्दशन में कितनी भीड़ होती है अगर सरपंच और जनपद वाले जिला पंचायत वाले विधायक सांसद अगर काम करते तो कलेक्टर जनर्दशन असेंबली इतनी विनिध नहीं होती साधारण व्यक्ति को वृद्धा पेंशन राशन आदि सुविधाएं नहीं मिल रही है कहीं पर पटवारी परेशान कर रहा है काम नहीं कर रहा है फीस मांग रहा है घुस मांग रहा है कहीं पर तहसीलदार नहीं कर रहा

पीठासीन अधिकारी – जनसुनवाई से संबंधित बातें करिए दूसरे विषय में बात मत करिए।

जयंत बहिदार – हम यही बात कर रहे हैं सर की अगर इस कंपनी के खिलाफ अगर लोगों की बात सुनते तो आज इतनी परेशानी नहीं होती आपको सुनना पसंद नहीं है आपको अधिकारियों का बेईमानी और भ्रष्टाचार के बारे में सुनना पसंद नहीं है इस परियोजना स्थल से बरमकेला दुर्गा मंदिर के पास जो घाट प्रारंभ होता है वहां से गोर्मड़ा अभ्यारण की दूरी लिखा हुआ है उसकी दूरी 8.8 किलोमीटर है पश्चिम दिशा में झाबर ग्राम है उससे जो जंगल जुड़ा हुआ है वह गोंर्मडा अभ्यारण का हिस्सा है जो उसकी सीमा में है इस परियोजना स्थल से गोमर्डा अभ्यारण 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इन्होंने अपने रिपोर्ट में बताया कि सरकारी अस्पताल 10 किलोमीटर दूर है क्यों भाई ग्राम कटंगपाली एवं बोंदा का स्वास्थ्य केंद्र को आप अस्पताल नहीं मानेंगे क्या आप उनसे पूछिए क्यों नहीं मानेंगे वहां इलाज होता है 2–4 बेड भी रहता है इन्होंने अपने रिपोर्ट में बताया की कटंगपाली आबादी 1 किलोमीटर दूरी पर है तथा 1 किलोमीटर में स्कूल बताया है जबकि इसके परिक्षेत्र से 5 मीटर की दूरी पर आबादी ग्राम है और इन्होंने 10 किलोमीटर लिखा है हिंदी और अंग्रेजी का जो सार उन्होंने प्रस्तुत किया है उन दोनों में 10 किलोमीटर लिखा शुभमिनरल्स का छैलफोरा में और खदान है बिलाईगढ़ में कटगपाली में है छैलफोरा में है इन्होंने इसकी जानकारी नहीं दिया है इसकी जांच करवाइए और इसको तुरंत स्थगित करिए शुभ मिनरल्स का जो यह प्रस्तावित क्षेत्र है उसे इसके बाकी खदानों की दूरी से कितनी दूर में है उनका एक खदान है 84 मीटर में एक खदान है 135 मीटर में और मैं आपको बताना चाहूंगा कि मंगल मेटल जिसके पार्टनर लिखा है इसमें प्रतिश गोयल उनका पता भी वही दिया गया है जगतपुर निवासी रायगढ़ इनका जो खदान है अभी जो प्रस्तावित परियोजना की खसरा का जो बने जाएगा उसकी दूरी जीरो लिखा है यह जो प्रस्तावित परियोजना के खसरा है उसके नजदीक है दूरी जीरो है चालाकी से पर्यावरणी स्वीकृति लेने के लिए इसे दे दिया गया है और पहले से इनका खदान स्वीकृत है और आवेदन कर देते हैं और खुदाई भी चालू कर देते हैं यह भी जांच करिए

फिजिकल और भौतिक जांच करवाई है बहुत बड़ा घपला निकालेगा इस क्षेत्र में आधे से ज्यादा खदानों का लाइसेंस नहीं है मैं बता रहा था इन्हीं कोयल परिवार का एक आशीष गोयल का भी खदान है वह इस परियोजना से 135 मीटर की दूरी पर है आप जांच नहीं करवाएंगे तो मजबूरी में हमको न्यायालय तो जाना ही पड़ेगा मैं तो आपका नाम दूंगा हमारे टंडन साहब आए थे उनको बताया गया पावती भी लिया हूं इसमें भी आपकी जिम्मेदारी बनती है कई लोगों ने लीज तो ले लिया लेकिन जब खदान नहीं है जमीन नहीं है ऐसे कई खड़ा नहीं है जो जमीन अपना नहीं बताते और पर्यावरणीय स्वीकृति भी ले लेते हैं और फिर उसके बाद गरीब आदिवासी किसानों के जमीन पर हजारों टन मलबा डाल देते हैं कोर्ट से भी आधार होने के बावजूद भी उसे फेंक नहीं पाएगा इसकी खेती बाड़ी खत्म वहां पर भी कितना घपला है गलतियां हैं हमारे पास पर्यावरण अधिकारी तो जांच ही नहीं करेंगे आप देख लीजिए प्रशासन और पुलिस जब अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाता निभा पाते हैं तभी देश में दंगे भड़कते हैं देश में गड़बड़ियां चलती है और अराजकता आती है मैं आपको बता दे रहा हूं यह नक्सल समस्या आप ही लोगों के कारण होता है आतंकवाद के समस्या का कारण भी आप हैं आप संभाल नहीं सकते और संभाल सकते हैं तो आप जानबूझकर हिंसा को भड़काने देते हैं यहां बोलने नहीं दोगे पंपलेट बाटुंगा काका आपके कार्यालय के सामने धरना करूंगा। जनता को बोलने के लिए नहीं रोक सकते कर लोगों की पीड़ा है इसलिए बोल रहे हैं मेरा कोई जमीन नहीं गया कि मैं विरोध करने आया हूं मैं सामाजिक कार्यकर्ता हूं पर्यावरण कार्यकर्ता हूं इसलिए बोल रहा हूं हमको मालूम है यह कलेक्टर हमारे बातें नहीं सुन रहा है लेकिन हर हफ्ते जाते हैं आवेदन देने हमको भरोसा रहता है कि कभी ना कभी तो सुनेंगे हमारी बातें को सर आपको मैं बता दूं कि उनके जो परियोजना है उसमें पानी का उपयोग के लिए बोरवेल को देंगे इसके लिए उनके द्वारा किसी प्रकार की आपत्ति नहीं लिया गया है रिपोर्ट में तो लिखा गया है कि पांच घन मीटर पानी प्रतिदिन पंचायत देगा जिसके लिए पंचायत द्वारा एग्रीमेंट किया गया है ऐसे लिख कर दिए हैं तो क्या पंचायत से एग्रीमेंट करवाया है और नहीं करवाया तो ऐसे गलत जानकारी क्यों दी हर खदान में बोरवेल है पानी उपयोग के लिए और किसी का अनुमति नहीं है जांच करवाई इसको उसकी एक कॉपी मेरे को भी दीजिएगा रिपोर्ट में लिखा कि हम खाली डोलोमाइट कतर का काम करेंगे तोड़ने होने का काम नहीं करेंगे सीधा ले जाएंगे फैक्ट्री में इनका क्रेशर में जाएगा इनका क्रेशर का भी जांच करवाइए आपको एक चीज और बता रहा हूं सर हमने गांव में लोगों से पूछताछ किया इस प्रस्तावित प्रयोजन के लिए जो जमीन ली गई है हो सकता है या जमीन निजी जमीन होगा इसको इन्होंने बताया है इन्होंने कटगपाली के कोटवार गोविंद चौहान की भी जमीन ली है गोविंद चौहान को बुलाए और उनको पूछे कि क्या मिला मुआवजा मिला पैसा मिला या नहीं और अगर बेचने का अधिकार है कोटवार को तो इन्होंने जबरदस्ती लिया गया है तो उसे वापस कराया जाए और इस कंपनी पर कार्रवाई की जाए कंपनी ने रिपोर्ट में कितनी गलतियां किया किया है और हमारे पर्यावरण विभाग देखा नहीं है और गंदा पानी को कटंगीनाला में छोड़ते हैं पंप के माध्यम से और वह गंदा पानी भरकर महानदी में जाता है यह परियोजना 1 लाख टन प्रतिवर्ष उत्पादन करेगा यह पत्थर का

उसको कितना तोड़ेंगे कितना दूर उड़ेगा वैसे भी क्षेत्र में जो खनिज विभाग का जानकारी है उसमें बताया कि सारंगढ़ जिले में 71 खदान है उसमें डोलोमाइट का खदान दिया है लाइम स्टोन का भी है और 18 क्रेशर है यहां खदान एवं क्रेशर अवैध चल रहे हैं इस क्षेत्र का स्थिति बिगाड़ दिए लात नाला को बिगाड़ दिए कटंगी नाला को बिगाड़ दिए महानदी का बिगड़ गया है सबका जांच करवाएंगे तो आप रिपोर्ट देखकर चौंक जाएंगे हमारी रिपोर्ट को तो आप मानेंगे नहीं सरकारी जांच करवाइए निष्पक्ष जांच करवाइए इसमें हमारे जैसे पर्यावरणीय कार्य कार्यकर्ताओं को रखिए और निष्पक्ष जांच करवाइए फिर पता चलेगा कि कितना प्रदूषण हो रहा है क्षेत्र को खोखला कर दिए हैं लोगों का आजीविका छिन जा रहा है यहां के लोगों को कम नहीं देते हैं गुलाम जैसा रखते हैं जब सरिया और बरमकेला 10 किलोमीटर क्षेत्र के अंदर आता है तो वहां के जो नगर पंचायत हैं उसे क्यों अनुमति नहीं लिया गया। बरमकेला और सरिया में कितना ज्यादा प्रदूषण हो रहा है इसके बारे में कोई अधिकारी आगे बता सकता है क्या इस क्षेत्र के क्रेशर का धूल एवं खदान का धूल चंद्रपुर क्षेत्र में भी जाकर प्रदूषण फैला रहा हैजो महानदी बैराज बना है उसमें भी गंदा पानी जा रहा है हमको भी साफ हवा में सांस लेने का मौलिक अधिकार है और इसका हनन कर रहा है कंपनी जय हिंद मेरे को मेरे सभी बातों का जवाब अंत में देंगे दे दीजिएगा नहीं तो जनसुनवाई को यहीं पर रोकना पड़ेगा हम रोकेंगे।

2. **राधे श्याम शर्मा** – छैलफोरा, नवघटा के इस पावन धर्ती पर यहा के लोग और सभी अधिकारीगण का चरणवंदन करता हूँ। कंपनी की इस अवैध जनसुनवाई का विरोध निम्न बिंदुओं पर करूंगा माननीय पीठासीन अधिकारी महोदय आपकी नियुक्ति प्रिसाईडिंग ऑफिसर के रूप में यहां पर हुई है आपको माननीय जिला दण्डाअधिकारी के संपूर्ण शक्तियां प्राप्त है यहां पर और आपने या यह रिपोर्ट पढ़ नहीं आप बोले ना असंवैधानिक शब्द चोर बेईमान हरामखोर यह सब और असंवैधानिक शब्द नहीं है मैं बोल रहा हूं ना यहां का कलेक्टर चोर भ्रष्ट बेईमान है ओपी चौधरी चोर भ्रष्ट बेईमान है उद्योगपतियों का पालतू कुत्ता है मैं बोल रहा हूं आप इस जनसुनवाई को नहीं कर सकते और तीसरा व्यक्ति कौन बैठा है मैं जानना चाहता हूं कौन है वह किस अधिकार पर बैठा है और साहू साहब आप पर्यावरण अधिकारी हैं कैसे उसमें बैठने दिए उसमें कौन बैठ सकता है आपकी उम्र नहीं है जितना मैं पर्यावरण के लिए काम किया हूं अधिकारी महोदय को कानून मालूम नहीं है तो पहले पढ़ लीजिए फिर जनसुनवाई करवाऐं है आप यहां दादागिरी मत करिए हमारे ऊपर अपने अधिकारों का दुरुपयोग मत करिए और यहां पर जो दंडाधिकारी महोदय हैं 420 का दस्तावेज यह रिपोर्ट गलत है उसके आधार पर शुभ मिनरल्स के जनरल मैनेजिंग डायरेक्टर हैं और यह कंसल्टेट कंपनी को तत्काल 420 का अपराध में गिरफ्तार करवाई है अपराध दर्ज करिए आपका कर्तव्य और जिम्मेदारियां को मेरे को बताना पड़ेगा आप क्या पढ़ाई पड़े हैं कैसे ऑफिसर बन गए आप कैसे आ गए आप क्यों आ गए कौन होते हैं आप और हमको आप बताएंगे कानून इस प्रदेश में इस देश में राधेश्याम शर्मा को कोई कानून नहीं बता सकता आप इस सूचना को जानते हैं तभी माइक में बोलिएगा मेरे को टोकिये का अन्यथा ऐसा तो साहस मत करिएगा और यह जो महोदय जो बैठे हैं मैं उनका बेज्जती नहीं कर रहा हूं क्या आप कंपनी के

दलाल हैं आप कौन हैं या ओपी चौधरी मुख्यमंत्री किसके दलाल है बताइए साहू साहब जयंत बहीदार मेरे गुरु को बोल रहे हैं 5:00 बजे दूंगा गुलाम है आपका यह ग्राम पंचायत अनापत्ति नहीं दिया है तो आप कैसे यहां जनसुनवाई करवा लेंगे पंच सरपंच से लिखवा करके वह कौन होता है एक ग्राम पंचायत में पंचायती राज अधिनियम के तहत सरपंच कौन होता है वह क्या होती है उसकी क्या भूमिका है वह लिख देगा कैसे लिख देगा 500000 सरपंच पांच लोगों को 50–50 हजार देने से हो जाएगा माननीय उच्चतम न्यायालय को भी अधिकार नहीं है कि उसकी अनुमति दे सके निर्देशित कर सके ओपी चौधरी कुत्ता हो गया आप लोग क्या हैं यहां दादागिरी करना चाहते हैं चलिए मेरे को यहां गिरफ्तार करवाइये है कौन से अरांवैधानिक शब्दों का प्रयोग कर रहा हूं भारत के किसी में के लाल में इतना दम नहीं कि मेरे खिलाफ गिरफ्तारी दर्ज करवाई हाई कोर्ट में ताला लगाया हूं साले हरामखोर जज लोग आंख से नहीं दिखता इस देश में बेईमान लोग अगर ओपी चौधरी कुत्ता है ऐसे उद्योगपतियों का तो अगर ओपी चौधरी की मां ने उसको दूध पिलाया है उसके बाप का औलाद है तू आकर राधेश्याम शर्मा के सामने छत्तीसगढ़ की जनता के सामने आकर बात कर मेरे से मारूंगा उसको जूता से रिपोर्ट दर्ज करवाइए नंगा करके मारूंगा चड्डी नहीं रहेगा उसका हरामखोर साला गोयल का काम करेगा जिंदल का काम करेगा और पैदा किया उसका बाप है मैं देश के न्यायाधीशों का गाली दे रहा हूं ना तो मेरा कुछ नहीं उखाड़ सकते क्योंकि मैं सत्य में हूं मैं संविधान का पालन करता हूं आप यहां से चले जाइए आपको वह अधिकारियों जनसुनवाई करवाने का और जनता से पूछिए यह साहू साहब को समझ नहीं है यह तो एक्सपर्ट है यह भ्रष्ट के महा भ्रष्ट हैं बेशर्म में इसको वर्ड लेवल का अवार्ड मिलना चाहिए इतने बेशर्म आदमी है यह इनका ड्राफ्ट रिपोर्ट जो है उसका छोटा सा समरी है इसमें कंपनी का नाम बताइए कहां पर कंपनी का नाम लिखा है इस रिपोर्ट में कंपनी अपना नाम नहीं लिखा है अपने आप अपने आधिकारिक शक्तियों का उपयोग करके इसको अभी तत्काल यहां पर विराम दीजिए यह साहू साहब जैसे मॉर्निंग रहते हैं यह तो चोर भ्रष्ट है इसलिए इसमें इतना आत्म बल नहीं है इनका आत्म बल मर चुका है मैं कई गांधीवादी नहीं हूं मैं सुभाष चंद्र बोस चंद्रशेखर आजाद भगत सिंह के आदर्शों पर चलने वाला हूं कांग्रेस बीजेपी जैसे टुच्चे दलों का हिम्मत नहीं है कि मेरे को जेल में रख सके मैं हाई कोर्ट में ताला लगता हूं सारे जजों को चोर बेईमान भ्रष्ट बोल रहा हूं देश के अब तो न्यायिक पद पर है रिपोर्ट दर्ज करवाइए मैं आपको चुनौती देता हूं कहे सुन रहे हैं अगर सुन रहे हैं तो आप भागीदार हैं आप इस कंपनी ने इस रिपोर्ट में गुमड़ा अभ्यारण की दूरी 12 किलोमीटर या डिस्टेंस की दूरी 8.8 चाटीपाली बेरियल से शुरू हो जाता है जो सेंचुरी अभ्यारण है उसको संरक्षण के लिए 2016 में संशोधित कानून बना है देश में उसके तहत उसे 10 किलोमीटर की परिधि में कृषि और और वाणिज्य को छोड़कर के कोई कार्य नहीं हुआ है नहीं हो सकता है तो जनसुनवाई किसके लिए करवा रहे हैं आपको तो पता है अगर नहीं पता है तो मैं बताता हूं चलिए आप आदेश कर इसको स्थगित करवाइए और यह फर्जी या यह रिपोर्ट के आधार पर तत्काल इस गोयल को कंपनी के निदेशक मंडल को और उस कंसंलटेंट कंपनी को गिरफ्तार करें जिन्होंने इस हिंदी वाले सार समरी

में अपना नाम नहीं लिखा है ऑफिस रिपोर्ट को नहीं पढ़ पाएंगे मैं आपको चुनौती देता हूं और नहीं समझ पाएंगे या यह अधिसूचना कानून को नहीं पढ़े हैं अगर पढ़े तो कितने कंडिका में उसको बता दीजिए और उन कांड़िका के कितने कंडिका है बता दीजिए मैं आपको चुनौती देता हूं, आप कानून नहीं जान रहे ई.आई.ए. अधिसूचना को नहीं जानते हो जनसुनवाई करने बैठे हैं और संविधान कहता कि नागरिक सर्वोपरि है तो नागरिक के आप सेवक हैं आपको कानून का उल्लंघन करने का वेतन मिलता है क्या उनकी बेशर्मी देखिए आपके बगल में जो बैठे हैं अपना परिचय नहीं करवाया है और आपके बगल में बैठने का अधिकार नहीं है उनके यह तो एक्सपर्ट है साहू साहब यह तो बेशर्म है राष्ट्र पर्यावरण के आपको यहां का प्रदूषण नहीं दिख रहा है आप यहां लिख नहीं सकते थे कि इस क्षेत्र में कितना प्रदूषण हो रहा है यहां खतरा के जोन में है और सारंगढ़ रायगढ़ जिला जो है यह 15 वर्ष पहले ही रेड जोन में पहुंच चुका है और यहां के जितने माइंस है वह सारंगढ़ जिले में है और 60 प्रतिशत अवैध है क्रेशर को बता दीजिए जो गोमर्डा अभ्यारण के 10 किलोमीटर क्षेत्र से बाहर है यह सब बंद होना हो जाना चाहिए और नहीं बंद हुआ है तो आदेश करिए तत्काल यहां पर बैठे-बैठे तब मैं मानूंगा आप ईमानदार हैं फिर मत बोलेगा कि मैं आपको बेईमान बोल रहा हूं बोलकर इस देश का शासक हूं मैं सेवक हूं जो कानून का पालन नहीं करेगा उसके लिए मेरे सामने में खड़ा हूं इतनी सरकारी आई गई कोई मुख्यमंत्री मेरा कुछ नहीं उखाड़ सकता नहीं तो हम सब लोग मारेंगे हमारे बाल बच्चे हम सब लोग हमारा पर्यावरण यह जो पर्यावरण संरक्षण का कानून बना है वह कब बना है उनको पूछिए इनको नहीं पता है साहू साहब को इसके लिए जनसुनवाई है जिसका आधार है मैं बता दूंगा आपको 1972 को पर्यावरण की बैठक हुई जिसमें 119 देशों ने हिस्सेदारी ली जिस पर पर्यावरण के विषय पर चर्चा किया गया जो पृथ्वी सम्मेलन के नाम से दर्ज है उसके बाद से प्रत्येक 5-10 वर्ष के अंतराल में संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक होती है अगर पीछे से आना हो तो मैं रात दिन खड़ा हो जाऊंगा मैं जो जो वीडियो बनाना चाहते हैं हम नागरिक को सामने में आकर वीडियो बना सकते हैं यहां के कैबिनेट मंत्री को पता चले वह सीधे-साधे हैं ओपी चौधरी अगर दोगला बेईमान है तो पर्यावरण मंत्रालय कैसे संभालेगा उसने देश आपके साइन को जाकर समझाऊंगा की जरूरत से ज्यादा सीधा अच्छा नहीं है तुम्हारी जनता मर जाएगी तुम कैसे देश को संभालोगे तो सब आपको या यह अधिसूचना के संबंध में कुछ जानकारी नहीं है इसे आपने पढ़ा नहीं है साहू साहब चलिए बता दीजिए कि यह जो गांव वाले अनापत्ति दिए हैं इसके लिए दिया है कब दिया है फिर आगे कार्रवाई होगी अनुसूचित क्षेत्र में ग्राम सभा की अनिवार्यता है ग्राम सभा में चुने सदस्यों का अभिवाद देने पर साथ दर्शाया जाएगा उनका संपूर्ण स्वतंत्र अधिकार है और नहीं हुआ है तो आपकी सुधार पर यहां तंबू पंडाल लगा लिया है कौन अधिकार दे दिया आपको क्या आपको उचित नाम न्यायालय से भी बड़े तरह अधिकार है क्या कि आप कुछ भी बोल देंगे मैं दावा करता हूं कि इस देश का प्रधानमंत्री मेरे से ज्यादा संविधान नहीं पड़ा है यहां का मुख्यमंत्री नहीं पड़ा है चाहे वह पूर्व हो या वर्तमान ओपी चौधरी अगर गले में कुत्ता का पट्टा पहन लेगा तो थोड़ी ना हो जाएगा वह क्या कानून को जाने, पृथ्वी को अपनी धरती मां को

तो आप नहीं पड़े हैं कानून को नहीं जानते हैं अधिसूचना को नहीं जानते हैं तो आप यही बंद कर दीजिए मैं मेरा आपसे प्रार्थना है साहू साहब के बारे में बोल दिया हूं वह चोर है अगर आप पुलिस बल का उपयोग करेंगे तो मैं इरा जनसुनवाई को शून्य करवा दूंगा हिसाब जो बैठे हैं मैं उनके न्यायालय में भी जाऊंगा उनका भी परीक्षा हो जाएगा राजस्व के बाद फिर मैं दूसरे न्यायालय में जाऊंगा क्या आप कानून पढ़े कितने पढ़े है आपके क्या संस्कार हैं आपके धर्म क्या है राष्ट्र क्या है मैं कोई भाषण नहीं देता प्रवचन नहीं करता है मेरा एक संविधान है मेरी भारत माता है मेरी राष्ट्र भूमि है उसे बढ़कर कुछ नहीं है आप सब लोग सेवा के लिए अनुबंधित हैं अपने प्रशासनिक सेवा स्वीकार किया है मैं कितने चीजों को बताऊं आपको तो साहू साहब से पूछना पड़ रहा है ऐसे क्यों कलंकित कर रहे हैं आप अपने उच्च परिवार की छवि को अपने आप को मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप अपनी शक्तियों के तहत इस अवैध जनसुनवाई को तत्काल निरस्त करें और जो चोर कंपनी है जो साहू है जो कंसंट्रेट कंपनी है इन सब को तत्काल गिरफ्तार करें और हथकड़ी लगाइए आज घर जाने मत दीजिए इनको इसको देख करके इस देश के पर्यावरण अधिकारी ऐसे ही दुःसाहस, ऐसे फर्जी रिपोर्ट के आधार पर आपको बैठा दिया यहां आप पढ़े नहीं आ गए क्यों आ गए यहां से कोई नहीं मिलेगा क्या आप डाकिया है मेरे से श्रोता है या फिर मेरा भक्त हैं आप कानून का पालन करिए अपने कर्तव्यों का पालन करिए मेरे को बोलिए, बोलिए, मत बोलिए कितना कानून बताऊ आपको आप कर्तव्य का पालन करिए चलिए, चलो आप इसको बंद करिए हम लोग आपके नौकर है क्या जो आप खड़े–खड़े आपको बोलते रहेंगे आप यह सब करके अपराधी कम कर रहे हैं आपको तो हथकड़ी लगने चाहिए अपराध करने का अधिकार किसी व्यक्ति को भी नहीं है आप बंद करिए नहीं तो मैं नहीं हटुंगा और मेरे को कौन हटाएगा उसको मैं देखता हूं कौन अपने पद का दुरुपयोग करके पुलिस बल का उपयोग करेगा बंद करिए मैं नहीं जाने वाला यहां से आप यहां से निकालिए मैं आदेश दे रहा हूं यहां का नागरिक हूं मैं जनता कार्य से जनादेश है यहां कोई सांसद विधायक नहीं आएगा बोलने सभी चोर हैं पर्यावरण मंत्रालय यह फर्जी रिपोर्ट के आधार पर सब चला रहे हैं यह साहू साहब आकाश, पाताल भूमि को देखते हैं जब यहां जनसुनवाई चल रही है माईनिंग विभाग नहीं है क्या माइनिंग अधिकारी नहीं है क्या यहां मेरे सामने आए उनसे भी मेरा प्रश्न है माईनिंग का प्रोजेक्ट है या यह रिपोर्ट जितने भी पेज का है वह हिंदी में क्यों नहीं है मेरे बार–बार कहने के बाद मैं यह लगातार एक वर्ष संघर्ष किया तब उसका समरी को हिंदी में करवा पाया ई.आई.ए. रिपोर्ट उस क्षेत्र के उस राज्य के भाषा में होना चाहिए ताकि वहां के आम जनता से पढ़ सके लेकिन अभी नहीं हो पा रहा है आप जैसे पर्यावरण अधिकारी जो चोर है जो उनके राज्य में बैठे हैं और हमारी हत्या कर रहे हैं डकैती कर रहे हैं हमारी जान को ले रहे हैं हमारे फेफड़ों में डस्ट धूआं आ रहे हैं जनता को तो चाहिए कि ऐसे को दौड़कर मारना चाहिए मेरी जनता मेरे बच्चे मेरे पेट पौधे मेरा परिवार क्या प्रदूषण पड़ने के लिए है हमें सम्मान पूर्वक और स्वतंत्रता पूर्वक जीवन जीने का अधिकार है यह मेरे संवैधानिक अधिकार है और इसका कोई योगदान उल्लंघन करेगा तो मैं उसको मुंह में बोलूंगा तू चोर है बेशर्म है, चोर है, बेईमान है,

हरामखोर है, दोगला है अपने पद का दुरुपयोग कर रहा है मेरा क्या उखाड़ेगा किसान आंदोलन में 750 लोग मर गए। सुप्रीम कोर्ट उच्चतम न्यायालय के सारे न्यायाधीश चोर थे हरामखोर थे मौन रहे तब क्या उनकी अंतर्भूत शक्ति नहीं थी तत्काल रोका जाए यह सबको नरेंद्र मोदी जैसे आदमी को आकर घुटना टेकना पड़ा यह किस की शक्ति है किसानों की माता बहने दुर्गा, काली चंडी है अगर अपने उतर आए तो आपको तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा अदानी की जनसुनवाई में वहां का पीठासीन अधिकारी जान बचाने में नाकामयाब रहा और जनसुनवाई भंग हो गया छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया सबसे बढ़िया करके जान लोगे क्या सबका बालपुर जो 4 किलोमीटर के अंदर एक गांव है मेरा वहां पर जमीन है चंद्रपुर के नगर पंचायत में आपने क्यों नहीं भेजवाया क्यों नहीं भेजे ऐसा हो साहब आप तो भिजवाने वाले हैं बरमकेला नगर पंचायत है सरिया नहीं है सरिया के आदमी सब मर गए हैं चंद्रपुर के सब आदमी मर गए हैं पीठासीन अधिकारी महोदय इस 10 किलोमीटर के क्षेत्र में कितने ग्राम पंचायत हैं बताइए आप हमको और जनसुनवाई करवा रहे हैं और कितने गांव ग्राम पंचायत में इस कांट्रेक्ट कंसलटेंट कंपनी ने ग्राम सभा से बैठक प्रस्ताव पास करवाया है और अनुमति लेकर वहां के वायु ध्वनि मिट्टी पानी हवा को टेस्टिंग के लिए लैबोरेट्री भेजा है बताइए ग्रामीणों से छुपाया गया ग्राम पंचायत से 420, धोखाधड़ी किया गया जनता और शासन प्रशासन को धोखा देना यह अपराध है दर्ज करवाइए साहू का यह साहू जी जो है ना महान फर्जी आदमी है और बहुत बेशर्म आदमी है मेरे जैसे आदमी के सामने मौन हो जाते हैं आप लोग इस क्षेत्र के जनता को मूर्ख समझ बैठे हैं कहां है यहां का डीडीसी उसको तो यहां उपस्थित होना चाहिए था पंडाल को आग लगा देना चाहिए था मैं तो बोलता हूं कि जहां पर भी जनसुनवाई हो रहा है वहां पर आग लगा दो बोल देना राधेश्याम शर्मा बोला था उसी को गिरफ्तार करो मैं जेल जाने के लिए तैयार हूं या अपराध में स्वीकार करूंगा मैं जनता को भड़काया लेकिन हम लोग गुलाम हो गए हैं ऐसे कानून के उल्लंघन करने वालों को यहां पर बैठ कर रखे हैं पीठासीन अधिकारी महोदय का जो कर्तव्य है वह जनसुनवाई को राज्यसभा, राज्य सरकार को भिजवाने का डाकिया का काम नहीं है कानून का पालन करवाना उनका दायित्व है मैं यहां खड़ा हूं आप मेरे को हटा नहीं पाओगे क्योंकि आपका आत्म बल उतना मजबूत नहीं है निर्मला नायक की जो मेरी बहन है यह इनका जन्म यहीं पर हुआ है 5 किलोमीटर के अंदर में इनका गांव है आप इनको भी हटा नहीं पाओगे पहले तो मेरे को हटवा दो नहीं तो फिर कानून का पालन करो और यहां से चलते बनो क्षेत्र के जनता का इस क्षेत्र के लोगों का पुलिस बल का दुरुपयोग मत करो इनको और बहुत सारे काम है बहुत सारे अपराधियों को पकड़ना है अभी रायगढ़ में उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज है फिर दर्ज है क्यों साहू साहब। पूंजीपथरा थाना में है ना। मैं जजो के खिलाफ चप्पल उठता हूं न्यायालय में आप लोग ही नक्सली हैं आप लोग ही आतंकवादी हैं आपको अगर कोई मारता है वह पाप नहीं है आत्मरक्षा है जब तक ऐसे अधिकारी जिंदा रहेंगे न्यायाधीश जिंदा रहेंगे सांस नहीं ले पाएंगे हम जी नहीं पाएंगे कई वर्षों से एक दो राज्यों को छोड़ दीजिए जो शराब का व्यापार करवा रहे हैं ठेका चलवाते हैं क्यों क्योंकि देश की जनता नशे में डूबी रहे और हमारे राजनीतिक दलों का गुलामी

जलते रहे करोड़ों की संख्या में प्रति वर्ष लोग मर रहे हैं राजस्व के लिए मेरे को खतरा है ऐसे उद्योगपतियों से मेरे कान में कोई फुसफुस कर गया कि यह बहुत खतरनाक आदमी है गोयल तेरे को निपटा देगा अगर पीठासीन अधिकारी बीमार है मेरे को लगता है कि आप निर्णय नहीं दे पा रहे हैं तो आपको शुगर वगैरह होगा निर्णय लेने में अगर आप शारीरिक मानसिक रूप से बीमार हैं इसलिए नहीं ले पा रहे हैं यह जनसुनवाई 09 सितंबर 2006 के विपरित है उसका उल्लंघन है गलत रिपोर्ट है इसलिए मैं इस जनसुनवाई को निरस्त करता हूं लेकिन आप नहीं करेंगे उसके लिए आप क्या सोच रहे हैं साहू साहब से पूछ लीजिए आप मर जाएंगे ओपी चौधरी के चक्कर में गोयल के चक्कर में राहुल शर्मा कोई बकरी का बच्चा था जो आत्महत्या कर लेगा जीपी सिंह ने उसे धोखे से मार दिया बीजेपी का पिट्ठू बन गया, चलिए यह सब बंद करिए मेरे पास बोलने के लिए 1000 बिंदु है मेरे को 24 घंटा लगेगा सबको दर्ज करवाने में यह गोयल इनको बोलने का मौका ना मिले इसलिए हर ग्राम पंचायत में हर गांव में 500000 रूपये दिया है ताकि वहां पर विरोध ना करें पीठासीन अधिकारी साहब जल्दी बंद करिए यह साहू साहब आपको मरवा डालेंगे उनको पर्यावरण के मामले में बहुत ज्ञान है और यह एक नंबर के चोर आदमी है बेईमान में भ्रष्ट है यह जो धूल डस्ट देख रहे हैं आपको दिखाई नहीं दे रहा है आप संयुक्त कलेक्टर के रूप में अपने दौरा किया आप इसका फोटोग्राफी करवा कर बंद कर सकते हैं इस क्षेत्र का प्रदूषण सीमा पार कर चुका है एक दिन पानी छिड़कवा देने से हो जाएगा यहां की जनता से लेकर चिड़िया से लेकर जानवर तक सब परेशान है सब करने के लिए पैदा हुआ है क्या सरिया, बोंदा, कटंगपली के लोग इनको पैसा कमाने के लिए अपनी जान को आहत कर दें क्यों सत्याग्रह एवं आंदोलन करने का अधिकार संविधान ने मुझे दिया है मैं नहीं हटूंगा आप कैसे कानून का उल्लंघन करते हैं छत्तीसगढ़ की जनता देखेगी पैसे के चक्कर में जान मत गवाईए कल के रोज आपको हथकड़ी लगेगी आपके बच्चे आपके परिवार समाज में मुंह नहीं दिखा पाएगा इसे निरस्त करवाइए आप।

3. **निर्मला नायक** – कंपनी के प्रस्तावित योजना को मैं पूर्ण रूप से निरस्त करवाना चाहती हूं इसके कई कारण है हमारे गांव हमारे जनता और राज्य पूरे छत्तीसगढ़ को नुकसान पहुंचा रहा है क्रेशर के धुआं हमारे फेफड़ों में जा रहा है सीधा आज हर घर में बीमारी पड़ी हुई है हम पढ़ने के लिए मैं कमजोर हो जा रहे हैं हम अपने आप को कहीं भी खड़े नहीं कर पा रहे हैं इतने पढ़े लिखे होने के बाद भी हम अपने समाज गांव देश के लिए निर्णय नहीं ले पा रहे हैं जनता को लेने निर्णय नहीं ले पा रहे हैं तो हम स्वस्थ नहीं है जो हमारे समाज को बर्बाद कर रहे हैं हम उसे डर रहे हैं तो धन्य ऐसे समाज का नावघाटा, कटंकपाली, छैलफोरा, सरिया एवं बरमकेला में 10 साल हो गया की धुआं के कारण कितने लोग बीमार पड़ रहे हैं तालाबों का पानी प्रदूषित हो गया है उसमें नहाते नहीं बन रहा है पीने का पानी भी शुद्ध नहीं मिल रहा है औद्योगीकरण के कारण हम अपने ही जनता अपने ही लोगों को बर्बाद कर रहे हैं मैं छैलफोरा ग्राम वासियों को जगाना चाहती हूं कि इस कंपनी के विरोध पर पूरा मेरा साथ दें क्रेशर के बंद करने से हमारे आने वाले पीढ़ी स्वस्थ हो जाएंगे धूल के कारण ना हमारा आंख दिख रहा है ना हमारे शरीर का पोषण हो पा रहा है ना हम अच्छे से

सांस ले पा रहे हैं तो हम कैसे जियेगे वायु शुद्ध नहीं होगा तो हम कैसे रहेंगे हमारे जीने के लिए खाने के साथ–साथ वायु की भी जरूरत होती है और जहां वायु प्रदूषण है तो वहां कैसे रह जा सकता है यहां पर एक समय में सब्जी बहुत मात्रा में उगाई जाती थी आज सब्जी नहीं हो पा रही है धूल के वजह से पूरा समाप्त हो चुका है इस क्षेत्र में एक ऐसा क्रेशर है जो घर से लगा हुआ है तो उसे घर का क्या हाल हो रहा होगा इन सबको ध्यान में रखते हुए तुरंत इसको निरस्त किया जाए जनसुनवाई को यहीं पर स्थगित कर इसका विराम करें यह जनता के लिए नुकसानदायक है सतीश गोयल ने जो डोलोमाइट के लिए प्रस्तावित किया है वह उनकी निजी जमीन नहीं है आज पूरा बरगकेला क्षेत्र प्रदूषित हो चुका है सांस लेने के शुद्ध हुआ नहीं है पानी भी शुद्ध नहीं है सब चीज प्रदूषित हो गया है यहां के जनता कमजोर होती जा रही है कुपोषित होती जा रही है तो इन सब को ध्यान में रखते हुए इसको तुरंत निरस्त किया जाए स्थगित किया जाए।

राधेश्याम शर्मा – देर मत करिए साहब तुरंत निर्णय लीजिए हमें अपने बेमतलब का खड़े करवा रखे हैं हम यहां सत्याग्रह में हैं यह हमारा अधिकार है आंदोलन करना हम यहां से है नहीं हटेंगे आप निर्णय करिए कानून का पालन करिए हमको मजबूर मत करिए आपको पेशाब लग गया ना हम रोक सकते हैं पेशाब को आपमे भी इतनी क्षमता नहीं है की इतना समय बैठ पाए जितना हम खड़े हो सकते हैं और भिड़े रहेंगे कानून का पालन करिए ज्यादा समय मत लीजिए यह हमारी बहन है यही दुर्गा स्वरूप है यह हमारे क्षेत्र को बचाएगी हम यहां से नहीं हटेंगे हम सत्याग्रह कर रहे हैं

निर्मला नायक – क्या आज के दिन जल छिड़काव कर देने से पर्यावरण प्रदूषण बंद हो जाएगा आज जनसुनवाई है इसलिए रोड में जल छिड़काव किया गया है इसलिए धूल नहीं उठ रहा है तो क्या इसको मान्य माना जाएगा पेड़ पौधों को देखकर क्या अनुमान नहीं लगाया जा सकता कलेक्टर महोदय यहां पर कितना प्रदूषण हुआ है रोड को देखकर उसका अनुमान लगाएंगे कि आज धूल नहीं उड़ रहा है जो भी यहां से डस्त निकल रहा है उसे कार्य में कितना परेशानी हो रहा है हम लोग आज धान की पैदावार नहीं कर पा रहे हैं नहीं सब्जी की उपज हो रही है और सबसे मुख्य बात की कैसे लोगों को लालच देकर झूठी दिलासा दे करके हम कंपनी लगाएंगे उद्योग लगाएंगे उसमें और उसमें हम उनका लाभ दिया जाएगा कि हम आपका जमीन ले रहे हैं उसमें पूर्ण रूप से आपको काम करवाएंगे आपका परिवार का भरण पोषण करेंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है कुछ दिन लगता है फिर निकाल देते हैं या फिर वो काम करते–करते बीमारी से मर जाते हैं काम करते हैं वह लोग भी ज्यादा बता पाएंगे कि उनको कितनी परेशानी होती है आप कितना भी नाक आप सब बंद कर लीजिए सांस तो ले रहे हैं सब में परेशानी हो रही है खेतों का मुआवजा नहीं दिया जा रहा है और नहीं काम दिया जा रहा है यहां पर पूर्ण गलत तरीके से जनसुनवाई किया जा रहा है तत्काल निरस्त करिए बंद करिए एक और बिंदु है कि गांव में हाथी चीता बाघ आ जा रहा है आगे आप क्यों नहीं क्योंकि हम उसके जंगल घर को प्रदूषित कर रहे हैं उसका सत्यानाश कर रहे हैं उसको काट रहे हैं उसको जला रहे हैं और अपना लाभ लेने के लिए खनन कर रहे हैं तो वहां से जीव जानवर बाहर तो निकालेंगे ही हमको

नुकसान पहुंचाएंगे ही क्योंकि हम उनको नुकसान पहुंचा रहे हैं इसलिए वह आएंगे हमारे खेतों को बर्बाद करने इस पर सरकार का कुछ जा रहा है क्या इसमें केवल उस किसान का ही जा रहा है वह क्या करेगा केवल रो कर बैठ जाता है हमारी जो सरकार है वह भी आधी गूंगी बहरी बनकर बैठी है जहां पर उसको मिल रहा है वहां पर आंख खोल करके बैठी है बाकि जनता को देखना ही नहीं है हम कहते हैं कि राम राज्य जलाएंगे लेकिन राम राज्य चलाने के पहले हमको राम बनना पड़ेगा राम ऐसे थे क्यों प्रजा के सुखों के लिए अपनी पत्नी का त्याग कर दिए लेकिन हम ऐसे हैं कि अपने सुखों के लिए दूसरे लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं यह खनन कार्य आप लोगों से दूर करिए जहां पर कोई जानता नहीं रहती है बंजर जमीन का खनन करिए वहां मिट्टी लीजिए इस जगह पर अपने परिवार बच्चों को लाकर रखिए फिर आपको खुद पता चल जाएगा कि आप गलत कर रहे हैं या सही कर रहे हैं हमको तो मास्क लगाकर घर से बाहर निकलते हैं लेकिन उसे जनता को धूल में काम करने के लिए छोड़ देते हैं उद्योगपतियों आप ऐसा करके देश समाज का नुकसान कर रहे हैं जो डोलोमाइट खनन के लिए यहां पर जनसुनवाई हो रहा है वह कब से हो जाना चाहिए था वह जनसुनाइए आज हो रहा है तो जनसुनवाई को आज जो आप कर रहे हैं उसकी समय सीमा कब से खत्म हो चुकी है आप इस जनसुनवाई को करके उसे कर रहे हैं इसलिए मैं चाहती हूं इस जनसुनवाई को तुरंत स्थगित करें और जनता को इस क्षेत्र का डोलोमाईट खनन को रोकने का आदेश दे हर जगह महिलाओं को जागृत किया जा रहा है सिर्फ यह लिखित कार्य है पर सच में महिलाएं जागृत होती तो आज यह जनसुनवाई हो नहीं पाती महिलाओं के ऊपर दोगलाईगिरी कर रहे हैं बताएं जब जागृत हो जाएंगे तो उस दिन कोई भी गलत कार्य नहीं हो पाएगा क्योंकि मां के रहते रहते कोई भी गलत कार्य नहीं होता है सभी जगह सही कार्य होती है क्षेत्र में माता की संख्या बहुत कम है विरोध करने वालों की संख्या बहुत कम है इसका मतलब है कि हम सत्य के राह में नहीं चल रहे हैं सत्य की राह पर चलते तो यह जनसुनवाई होता ही नहीं यह जितने भी खनन कार्य हैं सब बंद हो जाए रहते यहां के पेड़ पौधे जीव जंतु की कीड़े मकोड़े बाल बच्चे मनुष्य सब देख लीजिए यहां कितना दुर्घटना हो रहा है रोज नशा से मार रहे हैं रोज कुपोषण से मर रहे हैं कुछ नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि हमारी कोई सुनता नहीं है हम बोल रहे हैं प्रवचन दे रहे हैं और जो कर सकते हैं जो पद में है जो सत्य के साथ दे रहे हैं वह मान बैठे हैं जिस दिन लोग जागृत हो जाएंगे हमको बोलना नहीं पड़ेगा हमको जनसुनवाई में आना नहीं पड़ेगा यह सब पहले से ही बंद हो जाएगा सत्याग्रह पर चलिए हम बोलते हैं कि छत्तीसगढ़ हमारी महतारी है भारत हमारी मां है तो क्या उस मां का हम दोहन करें क्या हम उस मां का सम्मान कर रहे हैं की जंगल पर रहने वाले सभी प्राणियों की रक्षा कर पा रहे हैं इस जमीन पर रहने वाले सभी लोगों की रक्षा कर पा रहे हैं जो गलत है उनका विरोध कीजिए मैं यह नहीं बोल रही हूं कि सभी कार्यों की करें जिस जगह गलत कार्य हो रहा है उसका खंडन करिए उसे जगह का काम से कम निरीक्षण आपके रहते आज तो यह जनसुनवाई आज होता ही नहीं हम

जिस रास्ते से आए हैं आप देखेंगे महोदय की आप कितना क्रशर और खनन कार्य हो रहा है और ध्यान लगा हुआ है क्या गांव में से खनन कार्य होना चाहिए आप स्वयं विचार कीजिए।

निर्मला नायक, कंडोला – इस सुनवाई को तुरंत स्थगित कीजिए अन्यथा हम तो यहीं पर रहेंगे जब तक आप अपनी बात नहीं बता देते हमको बहुत हो गया बोल रहे हैं आपको हम बता देंगे इसका निर्णय क्या होगा हमने जो बिंदु रखा है उसे बता देंगे लेकिन यह हो ही नहीं रहा है इसके पहले अभी एक जनसुनवाई में गए थे वहां पर हम लोगों ने ऐसे ही अडिग रहे वहां पर बताया गया कि इसका निराकरण हो रहा है लेकिन अभी तक कुछ नहीं हो पाया मेरा मन उचट हो जा रहा है मैं चाह रही हूं कि मैं तुरंत इस जगह को आग लगा दूं उन लोगों को गोली मार दूं जो लोग इस कार्य के लिए हस्तक्षेप कर रहे हैं मेरी जनता को मेरी लोगों को जो बर्बाद कर रहे हैं उनको भरमाया जा रहा है कुछ क्षण के लिए कुछ लोग कुछ पैसे देकर उनको मुंह बंद कर देते हैं लेकिन उनकी आने वाली पीढ़ी किस गर्त में जा रही है शायद वह लोग नहीं जान रहे हैं कि उन्होंने कितना गुनाह किया है अपने आने वाले नस्ल को खा जा रहे हैं। मुझे बोलने पर भी शर्म आ रहा है मैं कटु शब्द का उपयोग नहीं करूंगी ना ही मैं ऐसे गलत शब्दों का उपयोग करूंगी लेकिन जिस दिन मैं बोल पाई जिस दिन मैं इस सीमा और मर्यादा को लांघ दी उस दिन शायद कोई बचेगा मेरी अंतरात्मा चीख चीख कर कह रही है की जो गलत हो रहा है उसको काट डालो जो लोग इस जगह पर या इस संसार में गलत कर रहे हैं उसको पूर्ण रूप से उन्हें काट दो। कहते हैं ना कि जब खेत में हम लोग धान लगाते हैं या सब्जी लगते हैं तो हम लोग घास को तुरंत निकाल देते हैं बार–बार निकाल देते हैं क्योंकि वह हमारे उपज को नुकसान कर रहा है तो ऐसे ही अब समय आ गया है की जो लोग गलत काम कर रहे हैं उनको तुरंत निपटा दिया जाए चाहे उसके लिए कुछ भी हो कम से कम जानता तो बचेगी कम से कम पर्यावरण समाज तो स्वच्छ हो जाएगा यदि सुन रहे हैं समझ रहे हैं तो तुरंत इसको स्थगित कीजिए यह जनसुनवाई पूर्ण रूप से गलत है। आम जनता को भ्रमित करके यह जनसुनवाई किया जा रहा है इसलिए इस जनसुनवाई को तुरंत स्थगित करें। महोदय यदि आप सुन रहे हैं तो तुरंत इस जनसुनवाई को स्थगित करें क्योंकि यह पूर्ण रूप से गलत जनसुनवाई हो रहा है। यह समय सीमा से भी परे है कि यह जनसुनवाई कब होना था यह जनता को भी नहीं बताया गया है नहीं इस गांव के सरपंच को सरपंच गांव का मुखिया होता है स्वयं एक राष्ट्रपति होता है वह अपनी गांव के हित के लिए अपने गांव के साथ जो भी गलत हो रहा है उसको हक होता है कि गांव पर होने वाले गलत कार्य को तुरंत निपटा दे ऐसे यदि गांव को बर्बाद होते हुए देख रहा है तो फिर सरपंच को तुरंत इसका आदेश जारी करना चाहिए कि यह काम गलत है चाहे वह किसी का भी जमीन हो खुद कभी जमीन हो तो भी वह गलत है। जितने भी यहां कार्य होते हैं सबको मिल जुल कर गलत तरीके से करवाया जा रहा है। पानी यहां पर से लिया जा रहा है वह भी गलत पानी पर्यावरण जनसुनवाई में यहां की पर्यावरण की शुद्धता की जांच की गई है मैं जानना चाहती हूं बरसात के महीने में ठंड के महीने में गर्मी के महीने में यहां की वायु कितनी प्रदुषित है उसका रिकॉर्ड रखा गया है मैं जानना चाहती हूं और यदि

नहीं दे सकते तो तुरंत स्थगित कीजिए इसको बंद कीजिए इसको स्थगित कीजिए बंद करो बंद करो यह जनसुनवाई बंद करो।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – यह लोकतंत्र है यहां जनता का चलता है यह लोकमत आपको प्राप्त करना है जनता क्या बोल रही है जनता आपके आदेश दे रही है आप अपनी कर्तव्य का निर्वहन नहीं कर रहे हैं।

निर्मला नायक, कंडोला – ई.आई.ए. रिपोर्ट भी दे दिया गया आपको सामाजिक मानसिक सब हम लोग यहां पर समझ चुके हमारे महोदय ने आपको जो गलत ई आई ए रिपोर्ट है वह भी दिखा दिए हमारा शारीरिक मानसिक क्रोधित जनता को कैसे यह लोग भड़का रहे हैं हमारा जीवन यापन का क्या हाल हो गया है हमारी जिंदगी कैसे बर्बाद हो रही है तो यह जनसुनवाई बंद कीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – 26 ग्राम पंचायत में आपने ई.आई.ए. रिपोर्ट नहीं भेजा है इनको अपने गुमराह किया है धोखा दिया है जानकारी छुपाया है आप बंद कीजिए आप तत्काल बंद कीजिए जनता भी बोल रही है बंद करने के लिए बंद करिए यहां दादागिरी मत कीजिए यहां से निकलिए यहां से चलते बनी है आप हम सत्याग्रह कर रहे हैं हम हटेंगे नहीं हम किसी को बोलते नहीं देंगे जब तक आप पीठासीन अधिकारी यह निर्णय नहीं लेंगे हम यहां से नहीं हटेंगे हम अपना सत्याग्रह जारी रखेंगे आप निर्णय लीजिए तत्काल बंद कीजिए निकलिए यहां से।

निर्मला नायक, कंडोला – पूरा भ्रष्टाचार है ये पूर्ण रूप से भ्रष्टाचारी है इसको तुरंत स्थगित किया जाए बंद किया जाए। क्या सभी ग्राम पंचायत की सरपंच यहां उपस्थित है यदि नहीं तो यह जनसुनवाई गलत है। जितने भी गांव को नुकसान हो रहा है उनके मुखिया यहां उपस्थित है क्या?

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – कितने बार मुनादी होना चाहिए गांव में पूछिए साहू साहब से मौनी बाबा बनकर बैठे हैं एक गांव में नहीं हुआ है 26 ग्राम पंचायत में सिर्फ 10 ग्राम पंचायत को आपने ई.आई.ए. रिपोर्ट दिया गांव वालों को पता नहीं है आप कैसे जनसुनवाई करेंगे आप वापस जाइए इस सत्याग्रह में जितने आवाज दे रहे हैं वह हमारे साथ में है आप मंच खाली करिए जाइए यहां से और नहीं तो अपने आका ओपी चौधरी को बुलाए उसे कमबख्त को मैं आज सबक सिखाऊंगा बात करिए उसे हरामखोर से पर्यावरण मंत्री बना है दोगला। बंद करिए और जाइए साहब आप हमको आक्रोशित मत करिए हमारी क्षमता का आकलन मत कीजिए मैं राधेश्याम शर्मा पूरा देश जानता है मैं 25 दिन बिना अन्न खाकर 280 किलोमीटर चलकर के हाई कोर्ट में तत्कालिक सरकार के खिलाफ याचिका स्वीकार करवाया हूं और यही के साथी मेरे साथ दिए हैं। आप जो सोच रहे हैं मैं वह यहां पर कई दिन कई रात खड़े होकर कर सकता हूं मेरी शारीरिक क्षमता भगवान ने उतनी दे रखी है यह जनता का आशीर्वाद मेरे साथ में है खाली करिए ना यह बहन हटेगी ना जनता हटेगी जब तक आप यहां से हाटोगे नहीं आप निकल लीजिए आप वापस जाइए।

निर्मला नायक, कंडोला – चलिए खाली करिए बंद कीजिए यह स्थगित होना चाहिए आज क्योंकि यह पूर्ण रूप से गलत तरीके से कराया जा रहा है।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – 60 प्रतिशत क्रेशर अवैध चल रहे हैं पर्यावरण अधिकारी साहू को मालूम नहीं है पैसा खाकर के घर पहुंचा रहा है मंत्रियों को पहुंचा रहा है अपनी आका ओ.पी. चौधरी को पहुंचा रहा है और मौन बन बैठा है बेशर्म चलो खाली करो यहां से।

निर्मला नायक, कंडोला – पूरा गांव आक्रोश में आ चुका है आप पूर्ण स्थगित कीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आप पहले पीठासीन अधिकारी नहीं होंगे दर्जनों पीठासीन अधिकारियों ने जनसुनवाई को विधि सम्मत तरीके से स्पॉट में ही निरस्त किया है खारिज किया है आप क्यों विलंब कर रहे हैं क्या सोच में पड़े हैं ओ पी चौधरी आपको गोली मरवा देगा वह कमजोर हरामखोर उसका आत्म बल नहीं है कि वह हमारे जैसे जनता के बीच में आकर बात करें वह जिस दिन मिलेगा उसे दिन उसकी पछतावा होगा मैं जन्म क्यों लिया और पर्यावरण मंत्री क्यों बना समझ गए मेरी चुनौती है उसे हरामखोर को की जनता के बीच मिलेगा उसको मैं नंगा करूंगा नंगा करके जूता मारूंगा।

निर्मला नायक, कंडोला – बंद करिए चलिए स्थगित कीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – ऐसा ना हो कि मुख्यमंत्री को ही मुझे यहां बुलाना पड़ जाए मेरा सत्याग्रह अनशन यही से प्रारंभ हो जाएगा अगर आप निर्णय नहीं लेंगे मैं अभी से अन्न त्याग करके यहां सत्याग्रह करूंगा जब तक मुख्यमंत्री से बात नहीं करूंगा और आपके जैसे गद्दार लोगों को जब तक हथकड़ी नहीं लगवाऊंगा तब तक यहां बैठा रहूंगा। और जो 60 प्रतिशत अवैध क्रशर चल रहे हैं उसको बंद करने का तत्काल आदेश कीजिए और अवैध जो भी हैं उनको भी बंद कीजिए क्योंकि यह उसे अभ्यारण से सटा हुआ है उन वन्य जीवों की संरक्षण के लिए पर्यावरण मंत्रालय ने कानून बनाया है उसका उल्लंघन करने का अधिकार आपको किसने दिया है चलिए निकालिए यहां से। हम बंद करवा देंगे यहां के क्रशर को माइंस को बंद करवा देगी यहां की जनता।

निर्मला नायक, कंडोला – अब यहां की जनता कोई भी क्रशर माइंस चालू नहीं करने देगी।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – उपस्थित जनता ने अभी मत दे दिया है आपको आदेश कर दिया है कि खाली करो जाइए।

निर्मला नायक, कंडोला – तड़प तड़प कर मरने से अच्छा है एक दिन मर जाना ही अच्छा है चलिए तुरंत स्थगित कीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – पीठासीन अधिकारी महोदय वापस जाओ जनसुनवाई बंद करो गैर कानूनी काम बंद करो। जो विरोध करने वाले हैं आओ बोलो सत्याग्रह में शामिल हो जाओ।

सत्यनारायण पटेल, नवघट्टा – मैं श्वास रोग से पीड़ित हूं यहां से बोंदा नहीं जा सकता, कटंगपाली नहीं जा सकता जब भी जरूरी काम से जाता हूं मास्क लगाना पड़ता है अगर प्रदूषण बोंदा में नहीं होगा मुझे गोली मार दो स्वीकार है मैं गांव के और सब के हित के लिए अपना प्राण बलिदान देने के लिए तैयार हूं तकलीफ में जीने से अच्छा मर जाना है प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि जिना दुभर हो गया है जरूरी काम से जाता हूं

तो आकर सुई लगवाना पड़ता है मैं घर से निकलता नहीं हूं प्रदूषण के चलते क्या घर के अंदर कैद रहूं एक पक्षी की तरह मेरे को भी घूमने का आजादी नहीं है प्रदूषण इतना भयंकर बढ़ गया है कि आप सब अनदेखा कर रहे हैं इसको अपना पेट भरने के लिए क्या हमको घूमने का अधिकार नहीं है हम बोंदा नहीं जा सकते कटंग पाली नहीं जा सकते इतना प्रदूषण बढ़ गया है वापस आने पर श्वास रोग के कारण सुई लगवाना पड़ता है दो–तीन दिन तक खाट में लेटे रहना पड़ता है रात रात भर सो नहीं पाते हैं जरूरी काम से ही बाहर जाते हैं नहीं तो नहीं जा पाते हैं कितना प्रदूषण बढ़ता जा रहा है इसका भी ध्यान रखना चाहिए सबको प्रदूषण के चलते मृत्यु दर बढ़ता जा रहा है सबका मृत्यु दर बढ़ाने का कारण प्रदूषण है। इस प्रदूषण के चलते ही मुझे श्वास रोग हुआ है प्रदूषण भयंकर बढ़ता जा रहा है धूल होने के कारण घर से बाहर नहीं निकल पाता हूं घर के अंदर कैद रहूं यह प्रदूषण बंद होना चाहिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – पीठासीन अधिकारी मुर्दाबाद, सारंगढ़ कलेक्टर मुर्दाबाद, जिला प्रशासन मुर्दाबाद, वापस जाओ वापस जाओ जनसुनवाई बंद करो, कानून का उल्लंघन बंद करो, ओपी. चौधरी का गुलामी बंद करो, उद्योगपतियों की गुलामी बंद करो। समर्थन वाले को मैं बोलने नहीं दूंगा जो सत्याग्रह में शामिल है और जो जनसुनवाई का विरोध कर रहे हैं उन्हीं लोगों को ही बोलते दूंगा नहीं तो नहीं हटूंगा जिनको विरोध में बोलना है आ जाओ सबके लिए खुला है।

निर्मला नायक, कंडोला – जो भी विरोध करने वाले हैं वह आकर अपना मत रख सकते हैं।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – हम हटेंगे नहीं साहब और आपके पास कोई जरिया नहीं है मुख्यमंत्री से बात कराओ अब हम उनसे बात करेंगे वह सीधा है लेकिन समझदार है वह समझेगा हमारी बात ओपी चौधरी अगर बेच दिया है अपनी मां को अपनी बहन को अपने बच्चों को विष्णुदेव साय नहीं बेचा है उसको पता नहीं है की दूर्दांत हत्यारा कुत्ता ओपी चौधरी जो उद्योगपतियों की दलाली कर रहा है उसको मंत्रिमंडल से जब तक नहीं निकलवाऊंगा यहीं पर अनशन करूंगा यहीं पर सत्याग्रह करूंगा यह गांव वाले मेरे साथ हैं आप निकल जाइए तुरंत यह जनादेश है राधेश्याम शर्मा का आदेश है इस देश के शासक का आदेश है आपको वेतन देने वाले का आदेश है आपके मालिक का आदेश है नौकर हो नौकर की भांति अपना काम करो दादागिरी मत करो शोषण झेलने के लिए पैदा नहीं हुआ है राधेश्याम शर्मा और इस क्षेत्र की जनता आपको ईट का जवाब पत्थर से देंगे अभी यह बहन बोली ना की प्राण लो उसका जो आपका सांस रोक रहा है आपको जीने की आजादी नहीं दे रहा है यह ठीक बोल रही है मेरे को हथियार दे दो आपको अभी तुरंत गोली मार दूंगा इनको गोली मार दूंगा ऐसे देशद्रोहियों को गोली मारने में मुझे कोई शर्म नहीं है मैं फांसी पर झूल जाऊंगा हटिए निकलिए यहां से निकलो यहां से चलो। हसदेव का जंगल कट रहा है सरकार नाटक कर रही है मां के नाम एक पेड़ साला लाखों पेड़ कटवा रहा है ओपी चौधरी तू किसी मां की बात करता है रे छत्तीसगढ़ महतारी को बलात्कार करने वाला बलात्कारी हरामखोर वापस जाओ यहां से। हम बिना बंद करवाए वापस नहीं जाएंगे साहब यह प्रतिज्ञा है छत्तीसगढ़ के पुत्र का यह मेरी बहन का यहां से हम वापस नहीं जाएंगे।

इनकी बैठने की क्षमता नहीं है 24 घंटे में कितनी टट्टी पेशाब लगेगी पता नहीं लगेगा हम गए हैं पेशाब करने क्यों जाएं तुम्हारा आदेश का पालन करेंगे भ्रष्ट आदमी का आदेश वापस जाओ भ्रष्ट अधिकारी कुर्सी खाली करो वापस जाओ।

पीठासीन अधिकारी – देखिए व्यक्तिगत टिप्पणी किसी के ऊपर मत कीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आप भ्रष्ट हो आप रोक नहीं सकते रिपोर्ट दर्ज करवाओ मानहानि करो मेरे ऊपर अगर आपकी मां ने दूध पिलाया है तो करो मैं भ्रष्ट बोल रहा हूं कर बोल रहा हूं आपको दलाल बोल रहा हूं उद्योगपतियों का ओपी चौधरी को बोल रहा हूं तुमको कैसे नहीं बोलूंगा पिट्ठू कहीं के खाली करो मंच। व्यक्तिगत मत बोलो व्यक्तिगत तो बोल चुका करवाओ ना रिपोर्ट आप अपनी मां का दूध पिए हैं करवाओ यहां हाई कोर्ट के सभी जज भ्रष्ट है बोल रहा हूं करवा सकोगे उनको संज्ञान लेना नहीं आता की छत्तीसगढ़ देश के अति प्रदूषण राज्यों में आ चुका है हरामखोरी कर रहे हैं न्याय की पवित्र कुर्सी को कलंकित कर रहे हैं न्यायाधीश भगवान होता है आप भी न्यायाधीश के अधिकार को रखे हैं आप भी भगवान है लेकिन अपने राक्षस को दबाईये भगवान को जागृत कीजिए और तत्काल इस जनसुनवाई को निरस्त कीजिए और घर जाइए और हमको भी जाने दीजिए। आप जिस शपथ के साथ अपना पद ग्रहण किए हैं तत्काल इस साहू को इस गोयल को उनके निर्दशक मंडल के सदस्य को कंसल्टेंट कंपनी को तत्काल गिरफ्तार करवाइए धोखाधड़ी करने फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार करने जनता को धोखा देने सरकार को धोखा देने गुमराह करने और फर्जी दस्तावेज को बनाने उसको प्रचलन मिलने उसका अपराध पंजीबद्ध करवाइए और यहां जितनी क्रशर और माइंस है उनका आदेश कीजिए कि तत्काल जब तक पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन सारंगढ़ के टिमरलगा गुडेली बरमकेला और सारंगढ़ तहसील का नहीं हो जाएगा तब तक कोई क्रशर उत्पादन नहीं करेगा माइंस खड़ा नहीं होगा चलिए यह आपका अधिकार है मैं आपको बता रहा हूं करिए कौन आपको फांसी में लटका देगा आपको डर है क्या बताओ कौन ऐसा दादागिरी वाला पैदा हो गया इस देश में उसको मैं बताऊंगा किस से डरते हैं आप संविधान से डरिए कानून से डरिए ईश्वर से डरिए प्रकृति से डरिए इस भारत माता छत्तीसगढ़ महतारी का सम्मान कीजिए इसका नमक खाकर के नमक हरामी मत कीजिए अपने पद का दुरुपयोग मत करिए खाली कीजिए आदेश दे दिए कुत्ते के जैसे भाग रहे हैं आप भागिए यहां से। यहां की शत प्रतिशत जनसंख्या जनसुनवाई बंद करने के लिए बोल रही है चालू करने के लिए नहीं बोल रही है। यही ग्राम सभा है यही ग्राम पंचायत है यही जनादेश है जिसके संकलन के लिए बैठे हैं आप चलिए निकलिए।

4. **सत्यनारायण पटेल, नवघटा** – मैं स्वांस रोग से पीड़ित हूं। मेरे को गोली मार दो मुझे स्वीकर है। हमें जीना मुश्किल हो गया है। मैं कैद में रहता हूं घर में क्या मैं पक्षी हूं। प्रदूषण बहुत बढ़ गया है। जरूरी काम से ही जाते है, प्रदूषण बहुत बढ़ता जा रहा है, मृत्युदर बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण के कारण ही मेरे को श्वास का बीमारी हुआ है। धूल के कारण बाहर नहीं निकल पा रहा हूँ, बहुत प्रदूषण होते जा रहा है।

निर्मला नायक, कंडोला – गांव के सभी बंधु लोग चाहते हैं कि इस गांव पर कि यहां डोलोमाइट का खनन ना हो वह बंद हो तो यदि आप लोगों के कान तक यह सूचना पहुंच गई होगी तो आप इसको तुरंत स्थगित कीजिए महोदय।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – इतना चिल्लाने के बाद अगर आप समझ नहीं रहे हैं तो हम हटेंगे नहीं आपके पास और आपकी सरकार के पास ऐसी कोई जरिया नहीं है कि हमें हटा सके हम हिलते नहीं भगा कर दम लेते हैं। अगर इतने सारे महिला पुरुष एक स्वर में बोल रहे हैं वही जनादेश है इस ग्राम पंचायत का आदेश है सरपंच पैसा खाकर बैठ जाएगा पंच पैसा खाकर बैठ जाएगा वह थोड़ी होता है की रात में आप लिखवा लोगे वह तो इस जनता को भेज दिगा पांच लाख गांव वालों में बांट दूंगा करके। चलिए वापस जाइए। निरस्त कीजिए और जाइए यहां से सुनाई नहीं दे रहा है क्या इतने लोग बोल रहे हैं एक बार भी कुछ नहीं बोल रहे हो सुन रहे हो बस उत्तर तो दीजिए जवाब तो दीजिए हमारा हम क्या बोल रहे हैं सुनने के लिए ही बैठे हैं आप जाइए यहां से जरूरत नहीं है आप जा सकते हैं। निरस्त किया जाए चलिये यहा से जाईये। बोलिये उत्तर तो दीजिये, केवल सुनने के लिये बैठे है। आप जाईये बोरिया–बिस्तर बांधिये।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – और बंद करने से पहले सभी माइक पर आकर क्रशर बंद करने का आदेश दीजिए पर्यावरण आपको दिख गया ना गाड़ी में बैठकर आप आए हैं देखें है न रास्ते में क्या स्थिति है सबको बंद करिए तत्काल लॉक कराया वह किसी का भी रहे प्रधानमंत्री का अगर क्रशर है माइंस है तो उसे भी बंद कराया।

5. **सूरज पटेल, छैलफोरा** – सर आपको हमारे गांव छैलफोरा के बोल रहे हैं वापस चाहिए आप वापस क्यों नहीं जा रहे हैं कितना पैसा मिला है आपको जो आप बात नहीं मान रहे हैं यहां लोग सुनवाई करने आए हो कि क्या करने आए हो सर छैलफोरा ग्राम की जनता का बात क्यों नहीं मान रहे हो। मेरे गांव की तरफ से बोल रहा हूं यह लोकसुनवाई आप स्थगित कीजिए आप जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं सर इतने लोग बोल रहे हैं।

6. **भोगीलाल पटेल** – सुनिए पहले जब से यहां क्रशर हुआ है मिट्टी धूल इतना उड़ रहा है कि बिलाईगढ़ चंद्रपुर सरिया तक जाते नहीं बन रहा है जब भी चल रहा है धूल आंख में उड़ रहा है और कुछ ना कुछ हो रहा है लेकिन इसको अधिकारी नहीं देख रहे हैं और नहीं समझ रहे हैं और कुछ नहीं कर रहे हैं जब बच्चे पढ़ने जाते हैं तो एक्सीडेंट हो जाता है तो अधिकारी क्या कर रहे हैं सर इसको सुनिए और हमारे गांव में बिलाईगढ़, नवघट्टा, बोंदा इतना सब्जी उगता था की महंगा नहीं होता था जब से यह क्रशर हुआ है मंगा बहुत हो गया है लेकिन इसको बंद कीजिए निरस्त कीजिए।

7. **कुंजराम डनसेना, छैलफोरा** – बहुत धूल डस्ट उड़ रहा है हम लोग अमित कटारिया के पास भी गए थे शक्राजित नायक के पास गए थे इसको बंद करिए सर निरस्त कीजिए हमारा गांव के रोड को भी उखाड़ दिए हैं।

8. **भुवन पटेल, बिलाईगढ़** – आप लोग माइंस के लिए तुरंत परमिशन दे देते हैं कितना प्रदूषण होता है रात भर हम लोग सोते नहीं है पूछ लीजिए गांव वालों को उसके बाद यह लोग बड़ा–बड़ा ब्लास्टिंग करते हैं 60 फीट 50 फीट का गड्ढा करते हैं एक साथ 100 ब्लास्टिंग करते हैं हम लोग रात को सो नहीं पाते हैं मेरे गांव के माइंस में देखने चलो रोड के किनारे को भी नहीं छोड़े हैं उसे रोड में छोटे–छोटे बच्चे जाते हैं ब्लास्टिंग के पानी को नदी और तालाब में छोड़ रहे हैं जहां मछली मर जा रहे हैं हमारे गाय और पशु मार रहे हैं उसका वह जांच क्यों नहीं करते हो खाली लिफाफा जाता है आपके पास उसके बाद घर में बैठे–बैठे आप साइन कर देते हो हमारे गांव में यहां रात को बाल्टी पानी रखो रात भर उसके ऊपर परत जम जाता है हमारा स्वास्थ्य का जांच कभी नहीं होता है मेरे को सांस लेने में बहुत तकलीफ है मैं यही का रहने वाला हूं यह लोग मुझे बोलते हैं आप अवैध खदान करो मुझे जेसीबी देंगे पोकलेन देंगे कह कर यह लोग बढ़ावा देते हैं क्रेशर बंद रहेगा तो अवैध उत्खनन हम लोग थोड़ी बंद करेंगे आप घर में बैठकर हमारे साथ गलत करते हैं सर सिर्फ लिफाफा के लिए ध्यान नहीं देते हो एक बार आकर चेक करना चाहिए कि गलत क्या हो रहा है सही क्या हो रहा है 12 एकड़ लीज देती हो 25 एकड़ में इन लोग उत्खनन करते हैं जिसका माइंस नहीं है उसके पास भंडारण में ज्यादा पत्थर है जांच करो उसके बाद फैसला करना कितना गलत कर रहे हो सर हम लोग के साथ क्यों गलत कर रहे हो सर जवाब दो हमको यह लोग मेरे ऊपर अभी एफ आई आर करेंगे बिना रॉयल्टी के इन लोग पत्थर ढोते हैं उसको ढकते नहीं है मेरे ऊपर एफ आई आर कर दिए थे मेरे को 3 घंटे थाने में बैठाए थे गारंटी के साथ बोल रहा हूं यह लोग मेरे ऊपर एफ आई आर कराएंगे। बरसात में आना कितना कीचड रहता है कितने बच्चे गिरते हैं कितना हाथ पैर टूट रहा है आपको पता है आप ऑफिस में बैठकर खाली साइन कर देते हो 50 और 100 एचपी का मोटर चला है उसमें ब्लास्टिंग किया हुआ पानी नदी में जाता है मछली मार रहे हैं वहां जाकर साइन कर देती हो रॉयल्टी जांच कर दिया एक दिन तो यह लोग मेरे ऊपर एफ आई आर कराय आए थे लिफाफा लिए हो इसलिए चुपचाप बैठे हो जनता के लिए तो बैठे हो किसके लिए बैठे हो जब पदभार ग्रहण करते हैं तो क्या बोलते हो गलत करने नहीं दूंगा नहीं करूंगा करके बोलते हो आज क्या हो रहा है बंद करो सर चालू करोगे तो पहले जांच कर लो उसके बाद में चालू करना पहले जांच करो और नाम लिखो भुवन पटेल मेरा नाम है।

9. **खीरसागर डनसेना, नवघट्टा** – कलेक्टर महोदय आपसे मेरा एक प्रार्थना है हरिओम से लेकर गंगा के क्रशर तक जाते समय आपका गाड़ी स्लो कर देना और एक आप सामान्य आदमी रहते और आपकी बेटी बोंदा पढ़ने जाती साइकिल में जाती तो कैसा होता है एक बार गंभीरता से सोचना महामाया क्रेशर में जो गड्ढा है आपके किसी अधिकारी को भेजो कैसा गड्ढा है चार पहिया आपका नहीं चल पाएगा इस जनसुनवाई को तुरंत निरस्त कीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – जिस माइंस को खनन का कार्य दिया जाता है अनुबंध रहता है कि कि उसका लीमिटेशन जो रहता है उसको 20 मीटर तक खोदना है तू खुदाई के बाद उसको तत्काल फिलअप करेगा

खनिज अधिकारी को बुलाकर पूछिए किसको वे लोग फिल अप किए हैं नियम है कानून है आप जान रहे हैं क्या नियम कानून है हमको मौखिक सब याद है 30 साल हो गया इस काम को करते सरकार से लड़ते भ्रष्ट उद्योगपति मंत्रियों से लड़ते जेल जाते हमको चिंता नहीं है आप अपनी चिंता कीजिए कानून का पालन करना बस सुन रहे हो सुनने का ठेका लेकर आए हो आप कानून का पालन करो मैं आपका मालिक और आप मेरी नौकर जिसको मैं वेतन देता हूं यह लोकतंत्र है मैं नागरिक हूं देश का शासन हूं आप सेवक हो चलिए जाइए यहां से इतना धुत्कारने करने के बाद भी आपकी गैरत नहीं जग रही आप कानून का पालन नहीं कर पा रहे हैं क्या ओ पी चौधरी बचा लेगा ओ पी चौधरी आपको जिंदा रखेगा ओ पी चौधरी अपने जिंदगी के बारे में सोचें कि जिस दिन छत्तीसगढ़ की सड़क में मिलेगा नंगा करके मारूंगा तो किसको वह मुंह दिखाएगा हरामखोर तुम उसके धोखे में मत रहना वापस जाइए आप सुनने के लिए नहीं कानून का पालन करने के लिए पीठासीन अधिकारी है।

10. **विशाखा पटेल, नवघट्टा** – छोटा बच्चा रोड में गिर गया है उसको बहुत चोट लगा है सर में छोटे बच्चों को स्कूल जाने में तकलीफ हो रहा है कितना धूल उड़ रहा है क्रशर से पैदल चलने वालों को डंपर वाले दारू गांजा पीकर एक्सीडेंट कर देते हैं यह अच्छा बात है क्या बताइए हम कितने साल से ऐसे चलेंगे बताइए।

निर्मला नायक, कंडोला – देख रहे हैं महोदय सबके आवाज में बीमारी है उनको तकलीफ हो रही है बात करने में यहां पर जितने भी गांव के लोग आ रहे हैं और मुझे खुद को भी सांस की परेशानी छैलफोरा ग्राम में जो उत्खनन हो रहा है उसे बंद किया जाए इस गांव में जो और भी क्रशर है उसको बंद किया जाए क्योंकि गांव के लोग त्रस्त है नवघट्टा छैलफोरा बिलाईगढ़ और जितने भी गांव हैं सबका क्रशर भी बंद कराया जाए ताकि लोगों को शुद्ध हवा में नवजीवन मिले जितने भी लोग आ रहे हैं उनको सुन रहे हैं कि सांस लेने में उनका कितनी परेशानी हो रही है उनको बात करने में कितनी परेशानी हो रही है उनकी मानसिक संतुलन कैसे बिगड़ रही है अभी जो महिला आई है उनकी मनोदशा कैसी है उनकी आवाज से आप जान गए होंगे कि वह कैसे लड़खड़ा रही हैं उनको कैसे तकलीफ हो रहा है आए दिन लोगों को डर है कि उनके बच्चे जो पढ़ने गए हैं सकुशल वापस आएंगे या नहीं बंद करो तुरंत निरस्त किया जाए जनसुनवाई।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – पीठासीन अधिकारी महोदय क्या जनता का परीक्षा ले रहे हैं आप जनता की सब्र का परीक्षा ले रहे हैं जब हम यहां पर सत्याग्रह प्रारंभ कर चुके हैं यहां की जनता यहां के माता बहन किसान आपको आदेश दे दिए हैं कि आप खाली करिए को यहां का एनओसी नहीं है आप जनसुनवाई करवा रहे हैं प्रभावित 10 किलोमीटर क्षेत्र की गांव में आपने ई आई ए नहीं पहुंचाया है साहू साहब ने यह भ्रष्ट आदमी पहुंचाया नहीं और हर गांव में मुनादी क्यों नहीं हुआ हर गांव का पानी मिट्टी हवा ध्वनि सब लेना था क्यों नहीं लिया गया फिर क्यों आप देरी कर रहे हैं साहू साहब कलेक्टर से संपर्क कीजिए कलेक्टर बने हैं कोई दादागिरी करने के लिए नहीं बने आप लोग दादागिरी मत करिए अत्याचार मत करिए आप लोगों की इतनी क्षमता नहीं है बैठने की जितने हमारे ग्रामीण गांव के खेतों में खड़े होते हैं जाओ आराम से पीछे में बात कर

लो अपने आका ओपी चौधरी से हरामखोर से और बताओ तुम्हारा मालिक उसे क्षेत्र का मालिक तुमको बता रहा है कि तुम कुत्ते बन गए हो करके।

निर्मला नायक, कंडोला – जितने भी क्रशर माइंस है सब बंद होना चाहिए बहुत हो गए आप लोगों की मनमानी बंद करो अब नहीं होने देंगे मैं हूं आप लोगों के साथ में चलिए तुरंत निरस्त कीजिए इसको जनता परेशान है कहीं यह ना हो जाए कि वह प्रदर्शन करें।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – यहां के कलेक्टर अगर निर्णय नहीं ले सकते तो गांव के लोग जाइए सभी क्रेशर में ताला लगाइए बंद करिए लाठी लेकर जाइए और उनका पैर तोड़ दीजिए। बंद करिए सर और जनता को परेशान मत कीजिए उसके सब्र का परीक्षा मत लीजिए आप अपनी कर्तव्यों का पालन कीजिए कानून के दायरे में संविधान के बारे में आप अपने कर्तव्य का पालन करें वापस जाइए आप किस क्या बात की वह आपको क्या निर्देश दिया आपको जब हथकड़ी लग जाएगी तो वह बचाने नहीं आएगा ना ओपी चौधरी आएगा ना आपका कलेक्टर आएगा आप अपने कर्तव्य का निर्वहन करिए आप यहां सुनने के लिए पीठासीन अधिकारी नहीं बनेगी पीठासीन अधिकारी का कर्तव्य होता है आप वोटिंग में भी देखे होंगे की कोई गलत वोट डाल रहा है कि वहां पर कुछ गलत हो रहा है तत्काल वह आदेश जारी करता है आप यहां पर खाली सुनने के लिए बैठे हैं डाकिया हो क्या जो डाकघर में ड्यूटी करना चिट्ठी पहुंचाने का छोड़ो कहे कलेक्टर बने फिरते हो काहे पद का दुरुपयोग कर रहे हो बंद करिए आप यह जनता यहां से नहीं हटेगी नहीं हम हटेंगे और आएंगे आसपास की क्षेत्र वाले लड़ने के लिए पूरे छत्तीसगढ़ के लड़ने वाले यहीं से लड़ाई लड़ेंगे।

11. **खेमा, नवघट्टा** – कलेक्टर महोदय पेंशन नहीं मिलता है तीन–चार महीना हो गया। 6 महीना हो गया कोई पेंशन नहीं मिल रहा है। हम लोगों का पेंशन पैसा किसी भी तरीके से दीजिए और पावती दीजिए। आपकी जेब का दीजिए कलेक्टर जी आप लेते रहना।

निर्मला नायक, कंडोला – पर्यावरण मंत्री मुर्दाबाद पीठासीन अधिकारी मुर्दाबाद कलेक्टर महोदय तुरंत खाली कीजिए इस जगह को जनता नहीं चाहती कि यहां पर खनन कार्य हो क्रशर को बंद करवाइए जनसुनवाई निरस्त करवाइए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – यहां पर मैं खनिज अधिकारी महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि वह डिस्टेंस बता दे यहां का छाबड़ गांव जो गोमर्डा अभ्यारण से लगा हुआ है आप नेट से सर्च करेंगे आपको पता लग जाएगा चाटीपाली जो भी रियल है जो गोमर्डा अभ्यारण की सीमा है उसे बता दे और खनिज अधिकारी महोदय आप क्या काम करते हैं की 30 मी का लीज ले करके 60, 70, 100 मीटर खुदाई किए हैं फिलअप नहीं कर रहे हैं आप अपनी ड्यूटी कैसे नहीं कर रहे हैं जब यह संरक्षित वन की 10 किलोमीटर के अंदर में है तो यहां जनसुनवाई तो होना ही नहीं चाहिए आप अपना अभिमत दीजिए इनको समझ में नहीं आ रहा है तो और पीठासीन अधिकारी महोदय आप और हमारे सब्र का इम्तिहान मत लीजिए गांधीवादी तरीके से अहिंसात्मक तरीके से इस सत्याग्रह को जारी रखी है जब तक आप यहां से इस जनसुनवाई को निरस्त नहीं

करेंगे यह इस क्षेत्र की तमाम क्रशर और माइंस को बंद करने का आदेश नहीं देंगे इसका सबूत यहां के पेड़ पौधे यहां की कृषि भूमि जिसे आप वीडियोग्राफी करवा लीजिए क्या स्थिति है देख लीजिए।

निर्मला नायक, कंडोला – तुरंत निरस्त कीजिए और माइंस की वजह से जितनी जानता है सबको परेशानी हो रही है उसको ध्यान में रखते हुए पीठासीन अधिकारी तुरंत इस जनसुनवाई को निरस्त करें यह परियोजना अवैध है इसलिए इसको तुरंत स्थगित करें आप स्वयं देख रहे हैं कि इन्हें सांस लेने में कितना परेशानी हो रहा है उनको बात करने में परेशानी हो रहा है बंद करो बंद करो क्रशर माइंस को बंद करवाइए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – यहां जो आदरणीय दंडाधिकारी के पद पर है उनको यह संज्ञान हो गया है कि यह पर्यावरण अधिकारी पीठासीन अधिकारी जनता शासन के साथ में धोखा कर रहे हैं फर्जी ई आई ए रिपोर्ट के आधार पर जनसुनवाई कर रहे हैं तत्काल पुलिस में अपराध पंजीबद्ध कराए लॉ एंड ऑर्डर के लिए उनको यहां रखा गया है अपराध की सूचना आप लोगों को दिया जा रहा है यहां तहसीलदार महोदय जी है नायब तहसीलदार महोदय जी हैं एसडीएम साहब भी है तत्काल यह पीठासीन अधिकारी महोदय के पर्यावरण अधिकारी साहू और यह गोयल और उनके निर्देशन मंडल के जितने हैं अपराधी और कंसलटेंट कंपनी वालों को तत्काल की गिरफ्तारी का आदेश दें और अपराधिक प्रकरण दर्ज करवाई आप अपने दायित्वों का निर्वहन करें अगर यहां पर तहसीलदार की हैसियत से दंडाधिकारी की हैसियत से अनुविभागीय दंडाधिकारी की हैसियत से आए हैं तो कानून का पालन करवाए यह चोर है फ्रांड है यह नहीं कर पा रहे हैं इनको गिरफ्तार करवाइए तत्काल आदेश दीजिए पुलिस को पुलिस के उच्च अधिकारी यहां पर है।

पीठासीन अधिकारी – माइक में आकर बोलिए जो भी आपत्ति है।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आपत्ति यही है कि जो वैधानिक जनसुनवाई हो रहा है उसे बंद करने को बोल रहे हैं और कितना बोलेंगे।

पीठासीन अधिकारी – बाकी लोगों को बोलने दीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – बंद करने को बोल रहे हैं तो आप चुप क्यों है बंद क्यों नहीं कर रहे।

पीठासीन अधिकारी – बाकी लोगों को बोलने दीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – बोलने को सबको स्वतंत्र रखा हूं मैं बंद करने के लिए बोल रहे हैं उसको नहीं सुन रहे हैं आप कानून का उल्लंघन करेंगे ठेकेदार है कानून का उल्लंघन करने का ठेका ले लिए हैं यहां सारंगढ़ जिले में बंद करने को बोल रहे हैं आओ जी बोलिए इनको बंद करने के लिए।

12. **यशवंती पटेल, छैलफोरा** – प्लीज बंद कर दीजिए इतने लोग बोल रहे हैं फिर भी आप कुछ नहीं बोल रहे हैं।

13. **अहिल्या पटेल** – बंद कर दीजिए सर सभी लोग कह रहे हैं सांस लेने में तकलीफ हो रहा है धूल मिट्टी प्रदूषण हो रहा है।

निर्मला नायक, कंडोला – जितनी भी यहां पर महिलाएं बैठी हुई है सब चाहती हैं कि जहां पर खनन कार्य ना हो क्रशर बंद हो सबको परेशानी है उनके परिवार को परेशानी है हालांकि वह बोलने में झिझक रहे हैं लेकिन उनका अंतर मन तो यही चाहता है कि यहां पर क्रशर कार्य खनन कार्य ना हो वो इस छैलफोरा ग्राम में जो चालू होने वाला खनन कार्य है उसका वह विरोध कर रहे हैं तो यह सब को ध्यान में रखते हुए मैं पीठासीन अधिकारी महोदय को कहती हूं कि तुरंत स्थगित करें निरस्त करें कृपया समय को बर्बाद मत कीजिए।

14. **खिलेश्वरी पटेल, छैलफोरा** – छैलफोरा की जितनी भी महिला है सब बोलना चाहते हैं कि जितना भी क्रशर चल रहा है सबको बंद करें सर क्योंकि हमें बहुत परेशानी हो रहा है हमारे घर में पत्थर गिर रहा है घर में धूल एवं प्रदूषण भरा जा रहा है हमें बहुत असुविधा हो रही है कृपा करके जितने क्रशर है सबको बंद करवाने की कोशिश करें।

15. **तुलाराम, छैलफोरा** – क्रशर को बंद कर दीजिए सर सभी तरफ प्रदूषण हो रहा है घर के छत में घर के अंदर सभी प्रकार के फसलों में एवं पेड़ पौधों में डस्ट जमा हो रहा है हम सभी जनता बोल रहे हैं बंद कर दीजिए।

16. **गणेश डनसेना, छैलफोरा** – आर ओ कलेक्टर महोदय सर आपको अलग से आवेदन देना पड़ेगा क्या जी इस जनसुनवाई को निरस्त करने के लिए आपको अलग से आवेदन देना पड़ेगा क्या निरस्त करने के लिए बोल रहे हैं सुनने के लिए नहीं बोल रहे हैं जनसुनवाई सिर्फ सुनने का नहीं है कष्ट को दूर करने के लिए है कर सकते है तो कीजिए नहीं तो इसको निरस्त कीजिए की जनसुनवाई को निरस्त करने के लिए अलग से आवेदन देना पड़ेगा।

17. **दाताराम मीरी, कटंगपाली** – मैं इस रॉयल्टी को बनने के लिए सहमति देता हूं इसलिए देता हूं कि जब हमारा गांव कटंग पाली एक छोटा सा गांव बच्चे लोग पढ़ लिख नहीं पाते थे आज हमारे पास रोजगार का साधन हुआ है।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आज सत्याग्रह चल रहा है मैं किसी समर्थन वाले को बोलने नहीं दूंगा आप कानून का पालन करेंगे तब फिर कोई बोलेगा यहां यहां मैं बोलने नहीं दूंगा जब सब जनता बोल रही है बंद करो कानून का पालन करो आप और किसका सुनना चाहते हैं मैं माइक नहीं छोडूंगा और मैं लोगों को बोलने नहीं दूंगा।

पीठासीन अधिकारी – जब तक कोई नहीं बोलेगा तब तक विचार कैसे व्यक्त होगा।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – विचार थोड़ी कानून का पालन करो विचार और क्या व्यक्त करोगे।

पीठासीन अधिकारी – कहां कानून का पालन नहीं हो रहा है।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – कहां हो रहा है आप बताइए ई आई ए अधिसूचना के किस कंडिका का पालन आपने किया है और आप जनसुनवाई करवा रहे हो कहां हो रहा है बोलते हो आप आप सबको अंधा बहरा समझ रहे हो कैसे आप बोल रहे हो।

पीठासीन अधिकारी – आप उसको पहले बोलने दीजिए।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आप मेरे को हटवाइए ना यहां से आप मेरे को गिरफ्तार करवाई मैं नहीं बोलते दूंगा बोल दिया हूं ना यह बहन भी बोल दी है जो लोग समर्थन करेंगे उनको बोलो बोलोगे नहीं बोलते दूंगा मैं नहीं बोलने दूंगा जो समर्थन मांगा है वह कान खोलकर सुन ले मेरा विरोध कर सकते हैं मेरे को यहां जबरदस्ती हटा सकते हैं बल प्रयोग कर सकते हैं तो कर ले यह बहन और मुझे हटाए तो यहां से कौन समर्थन करता है समर्थन करने वाली के लिए जगह नहीं है शत प्रतिशत जनसंख्या आपको बंद करने के लिए बोल रही है कानून का पालन करने के लिए बोल रही है आपको समझ में नहीं आ रहा है एक आदमी घुस जा रहा है समर्थन करने पैसा लेके बोलो बोलो कैसे बोलेगा वह और जो भी समर्थक है वह आए मेरे से निपटे मेरे को हटाए यहां से जबरदस्ती मैं नहीं बोलते दूंगा और यह बहन भी नहीं बोलते देगी बाहर करिए इनको शत प्रतिशत जनता कानून का पालन करने को बोल रही है उसको सुना नहीं है बोलिए बोलिए देखता हूं मैं कैसे बोलते हैं नहीं बोलने दूंगा मैं इतनी जनता बोल रही है उसको सुन नहीं रहे हैं आप वापस जाइए बंद करिए जनसुनवाई आपके हाथ जोड़ लिए पैर पड़ लिए हर भाषा में समझा लिए आपको समझ नहीं आ रहा है ।

निर्मला नायक, कंडोला – क्रशर से शिक्षा नहीं बढ़ रही है अगर क्रशर से बढ़ती तो हर जगह शिक्षा हो जाती क्या हमारा सरकारी स्कूल मर गया है इससे पहले स्कूल में हम भी तो पढ़ रहे थे ना गांव में भी सरकारी स्कूल है क्रशर वाली सिर्फ नुकसान कर रहे हैं धूल डस्ट सिर्फ जनता को मार रहे हैं बंद कीजिए तुरंत।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – देखिए पुलिस अधिकारियों से मेरा निवेदन है यह अधिकारी चोर भ्रष्ट बैठा है उसके ऊपर में कोई बोल नहीं रहा है आप जनता को बोलेंगे तो वह लोग यहां आकर बोलेंगे माइक में इनको हटाइए यहां से आप इनको हटाइए और आफ आई आर करिए इनकके खिलाफ गिरफ्तार करिए सब अधिकारियों को चोरों को भ्रष्ट को यहां जनसुनवाई नहीं करने देंगे खड़े रहिए बहन जी कौन बोलेगा विरोध में बोल रहे हैं बंद करने के लिए सुन नहीं रहे हैं।

निर्मला नायक, कंडोला – जनता का पूर्ण विरोध है वह चाहती है कि कोई भी खनन कार्य ना हो सारे क्रशर बंद हो उनको सांस लेने में परेशानी हो रही है और नहीं उनकी उपज हो रही है आज उनकी जो जमीन है वह सब बंजर होते जा रही है क्योंकि धूल इतना जम जा रहा है कि उसमें कोई भी पैदावार नहीं हो रहा है भ्रष्टाचार बंद करो दारू बाजी बंद करो रिश्वतखोरी बंद करो जनसुनवाई को स्थगित करो जनता की पुकार सुनिए पीठासीन अधिकारी सब लोग यही चाहते हैं कि यहां पर खनन कार्य हो रहा है क्रशर कार्य हो रहा है वह सब बंद होना चाहिए उनके अनुरोध को सुनिए उनके याचना को सुनिए और तुरंत निर्णय लीजिए

छैलफोरा नवघट्टा वासी चाहते हैं कि यहां पर कोई भी क्रशर कार्य न चालू रहे खनन कार्य न हो तो इनको ज्ञान में रखते हुए तुरंत निरस्त कीजिए यह कार्रवाही।

राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – गोमर्डा अभ्यारण के 10 किलोमीटर के रेडियस के अंदर में है कैसे यहां खनन कार्य होगा यहां बस कृषि वानिकी का कार्य होगा ये वन पर्यावरण मंत्रालय का 2016 का आदेश है उसका पालन नहीं कर रहे हैं उससे बड़े हैं क्या उस मंत्रालय से बड़े हैं उस संसद से जहां हमने चुनकर भेजा है उससे बड़े हो गया आप कानून का पालन करिए कुर्सी खाली करिए और जाइए यहां से।

18. **तोषराम पटेल, नवघट्टा** – मैं इस जनसुनवाई को बंद करने के पक्ष में क्योंकि यहां प्रदूषण बहुत ज्यादा हो गया है सांस लेने की बीमारी बहुत लोगों को कम से कम 100 में से 70 आदमी सांस की बीमारी से ग्रसित है हमारे जो सत्यनारायण पटेल हैं नवघट्टा के वह जो पूर्व में बोल चुके हैं वह सही बोले हैं कि सांस का बीमारी यहां दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है बोंदा बरमकेला कटंगपाली जाने में बहुत असुविधा होती है और यहां कई क्रशर लगे हैं और अवैध उत्खनन भी हो रहा है जिससे छोटे बच्चे स्कूल में साइकिल आते जाते हैं कई बार दुर्घटना हो जाती है उनको देखरेख करने वाला भी कोई नहीं रहते उठाने वाले भी नहीं रहते हैं अचानक कोई सज्जन आदमी वहां से गुजरता हुआ देख लेता है तो उनको कुछ मदद पहुंचाता है यहां अवैध खनन के दौरान यहां सैकड़ो मजदूरों की खदान में दबने से मौत भी हो गई और जो जलाशय बना हुआ है 70 80 फीट का एक बच्चा नहाने गया था वह डूब के मर गया उसका पोस्टमार्टम हुआ लेकिन शासन को जानकारी नहीं दी गई खाली जो संबंधित क्रशर मालिक हैं उनको मुआवजा देकर चुप कर दिया गया तो पर्यावरण के हित को देखते हुए गोमर्डा अभ्यारण यहां से बहुत नजदीक है 8.7 किलोमीटर है मैं स्वयं नापा हूं मोबाइल से और गोमर्डा अभ्यारण के वन्य प्राणियों एवं वनस्पतियों के हित को ध्यान देते हुए यह आज का जनसुनवाई बंद किया जाए और गोमर्डा अभ्यारण के अंदर 10 किलोमीटर की दायरे में उससे कम दायरे में जितनी भी अवैध उत्खनन या क्रशिंग हो रहा है उसको तत्काल बंद करवाया जाए। अभी हाल में जो डंपर चल रहे हैं 1 साल हुआ है प्रधानमंत्री सड़क निर्माण वह या तो ठेकेदार की गलती है या फिर भारी डंपर ओवरलोडिंग से फ्लाई ऐश ला करके यहां अवैध खदानों में भराई कर रहे हैं उनकी गलती है इसको आप स्वयं संज्ञान में लीजिएगा पीठासीन अधिकारी महोदय आप स्वयं जान रहे हैं यहां क्या हो रहा किस तरह से आदमी पीड़ित है परंतु आप संज्ञान नहीं ले रहे हैं यहां 100 मीटर तक अवैध उत्खनन हो गया उसकी आज तक जांच नहीं किया जा रहा है इससे करोड़ों रुपए का हमारा जो खदान है माने उससे जो पत्थर निकाला जा रहा है और रॉयल्टी की चोरी की जा रही है खरबों रुपए की चोरी हो गई है। डॉक्टर जवाहरलाल जब विधायक थे तो बोंदामुंडा के जलाशय था उसको वह स्वीकृत कराकर डेम बनवाए थे आज उसे पाट दिया गया है जो डेम बना था वह पाट दिया गया है और वहां से अवैध पत्थर उत्खनन करके क्रेशर वाले अपना मलाई लूट रहे हैं इसी तरह का ग्राम कटंगपाली या आश्रित ग्राम मौहामुड़ा नाम का एक डेम था जहां से आसपास के खेतों की सिंचाई होती थी वह मौहामुड़ा का खदान की जो मेड़ थी थी उसका नामोनिशान नहीं है पूरा अवैध उत्खनन

वाले उसका विनाश कर दिए हैं इसी तरह के यह कटंगी नाल में छैलफोरा के नाम से एक डेम बना था उससे भी सिंचाई होती थी वह भी ध्वस्त हो गया बागाई नाला मैं कई क्रेशर का पानी आता है और वह पूरा पानी महानदी में जा रहा है जिससे मछली अभी गर्मी के दिन में जो कोशमधरा नामक गड्ढा है वहां 12 महीना पानी आता है महानदी और कटंगी नाला के बीच में है वहां अब मछली मारने लगेंगे कुछ दिन बाद निरीक्षण करने से वह पता चलेगा इतना ज्यादा प्रदूषण होने के बाद भी माननीय पीठासीन अधिकारी महोदय आवाज को दबाते हुए यह सुनवाई नहीं कर पा रहे हैं अतः मैं आपसे निवेदन करता हूं यह जनसुनवाई यथाशीघ्र पूर्ण करते हुए इसको निरस्त किया जाए जय हिंद जयभारत।

निर्मला नायक – निर्मला नायक सब लोग एक साथ बोल रहे हैं जनसुनवाई निरस्त करें एक एक चले हम लोगों को आने की जरूरत नहीं है सब लोग चाहते हैं कि बंद हो तो आप यह जनसुनवाई पूर्ण रूप से स्थगित कर दे यहां पर समस्त जो महिलाएं बैठी है वह भी चाहती है कि उत्खनन कार्य नहीं होना चाहिए क्रेशर बंद होना चाहिए उनके परिवार को परेशानी है सब विरोध कर रहे हैं इस जनसुनवाई का तथा आपसे अनुरोध है कि इसको निरस्त करें और इस जनसुनवाई को बंद करें आप। अभी आपने देखा कि जितने भी लोग आ रहे थे सब लोगों को बात करने में कैसे सांस की परेशानी हो रही थी, बोलने में परेशानी हो रही है, जो उपज है गांव में जो पहले सब्जी होती थी उसकी उपज नहीं हो पा रहा है अब सिर्फ वह धान पर निर्भर है और धन भी दस्त के कारण वह भी नहीं हो पा रहा है ठीक से क्योंकि जल जो है वह प्रदूषित हो चुका है उसे पर आप पत्थर आ गया है पत्थर से थोड़ी ना पैदावार होगा सीमेंट की तरह जम जा रहा है इसके कारण पैदावार भी अच्छे से नहीं हो रहे हैं सब लोग परेशान है मानसिक रूप से और आर्थिक रूप से।

राधेश्याम शर्मा :– पिताजी अधिकारी महोदय से में करबद्ध प्रार्थना करूंगा कि आप कानून का पालन करने के बजाय जनसुनवाई को पूर्ण करवाने के लिए समाप्त करने की दिशा में इंतजार कर रहे हैं जो आप नहीं करवा पाएंगे बिल्कुल नहीं कर पाएंगे इस भ्रम में आप जीवित मत रहिए। आप इस जनसुनवाई को कंप्लीट नहीं करवा पाएंगे कंप्लीट उसको कहा जाता है जहां कानून का पालन होता है आप कानून का पालन नहीं कर रहे हैं आप न्यायिक पद पर है प्रशासनिक पद पर है मैं पुनः आपसे करबद्ध प्रार्थना कर रहा हूं आपका पैर पड़ रहा हूं हाथ जोड़ रहा हूं साहू साहब के चक्कर में मत पड़िए है यह तो भ्रष्ट आदमी है चोर है कहिए यह ठेका लेकर के काम करता है लखो रुपए लेकर के घर पहुंचा रहा है इसकी आत्मा मर चुकी है आप अपने आत्मा को जागृत कीजिए टंडन साहब इस क्षेत्र में आपके जनजाति के लोग है जो इस बीमारी से ग्रसित है और हर प्रकार के जनजाति के लोग रह रहे हैं इस क्षेत्र में सेंचुरी है सेंचुरी का अर्थ आप समझ रहे हैं कि मैं आपको समझाऊंगा एक आई.ए.एस. को समझने की जरूरत नहीं है आप वन पर्यावरण मंत्रालय ने अगर यह जारी कर दिया है एक आदेश दे दिया है कानून बना दिया है 2016 में की सेंचुरी जो संरक्षित वन क्षेत्र है उसे पर गैर कृषि कार्य के लिए कोई भी उद्योग को अनुमति नहीं दी जाति लेकिन सरकार ने हमारे चुने हुए जनप्रतिनिधि जाते हैं विधायक जाता है सांसद जाता है मंत्री होते हैं वह सब उद्योगपति की दलाली में लगे हैं

इसलिए सब संचालित है यह सब को बंद करने का आदेश दीजिए आप बोलते हैं बोलते हैं बोलने दीजिए आप कानून का पालन नहीं कर रहे हैं खाली सुनेंगे और आखरी में बोल देंगे की जनसुनवाई पूर्ण हुआ कैसे पूर्ण हो जाएगा आप ऐसा बोल करके भाग जाएंगे तो पुलिस प्रोटेक्शन में तो मैं न्यायालय से आपको हथकड़ी लगवा दूंगा इस बात को ध्यान रखिएगा। आप कानून का पालन नहीं कर रहा है मैं सबको बोलने दे रहा हूं आप जब कानून का पालन नहीं कर रहे हैं तो क्यों बोलते दूंगा मैं आप पहले कानून का पालन कीजिए फिर मैं बोल दूंगा सबको बोलने दूंगा आप कानून का पालन करिए स्थगित कर दीजिए और जाइए यहां से आप क्या सुनना चाहते हैं रामायण प्रवचन करें आपके लिए गला खराब करें एक साथ बोल रहे हैं एक स्वर में महिला पुरुष बोल रहा है आप वापस जाइए वह सुनाई नहीं दे रहा है आपको सब माइक में आकर बोले आप वापस जाओ। वापस जो बोल रहे हैं गौर करने ढंग से जनसुनवाई को करवा रहे हैं मत करवाइए 26 ग्राम पंचायत है कहीं मुंनादी नहीं हुआ है कहीं ई.आई.ए. रिपोर्ट नहीं पहुंचा है पूछे देख लीजिए 10 ठो है। वह जो समाचार पत्र में प्रशासन हुआ है वह 10 गांव का है सरिया ग्राम नगर पंचायत क्यों नहीं है वह तो 7 किलोमीटर के अंदर में है चंद्रपुर नगर पंचायत वहां ई.आई.ए. रिपोर्ट क्यों नहीं पहुंचा है 60 से ऊपर यहां तो अवैध क्रेशर संचालित है इसका उल्लेख है क्या ई.आई.ए. रिपोर्ट में देखिए आप उठाकर देखें पढ़े नहीं है आप सीधा पैकेज के लिए ओपी चौधरी आपको डरा दिया आप डर गए ओपी चौधरी शेर है क्या वह गीदड़ का बच्चा, कुत्ता का बच्चा आएगा नहीं आपको बचाएगा नहीं उसके चक्कर में मत पड़िए, बिल्कुल मत पड़िए आप कानून का पालन करिए संविधान का पालन करिए जिसके शपथ आप लेते हैं जिसके तहत अपने सेवा शर्तों पर अनुबंध किया है आप जनता के प्रति जवाबदेही है आपकी आपका कर्तव्य है उस कर्तव्य का उस कानून का उस संविधान का पालन करिए आप जिस तरीके से यहां बैठे हुए हैं हम बोल रहे हैं हम सत्याग्रह कर रहे हैं हम किसी को समर्थन भले ही एक दो यानी पैसा लेकर आ जाएंगे दारू पीकर आ जाएंगे आप पुलिस वाले को निर्देशित कीजिए यहां कितने लोग दारू पीकर आए हुए हैं वह एक आता है टेस्टिंग का वह टेस्ट करें तो यहां एक आदमी प्रवेश नहीं कर सकता आज हम लोग सामाजिक कार्यकर्ता हमारा चेकिंग होता है उनका चेकिंग कौन करेगा जो यहां दारू पीकर आ गए हैं समर्थन करने के लिए वह जो व्यक्ति को भगाए हैं जनता यहां लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ रहा है बोलते हैं पुलिस वाले उनका कहना ठीक है हम जब शांतिपूर्वक प्रोटेस्ट कर रहे हैं जब यहां सत्याग्रह कर रहे हैं तो फिर आप और किसका सुनना चाहते हैं जनता ने बता दिया आप वापस चाहिए करण का पालन करिए बंद करिए जनसुनवाई को बंद करिए निरस्त करिए आपको गोल्ड मेडल नहीं मिलेगा भारत सरकार आपको परमवीर चक्र नहीं दे देगी इस जनसुनवाई को आप करवा लेंगे तो देश में सिपाही जब शहादत देता है आज हमारे किसान के बच्चे किस फेफड़ों में धूल धुआं लेकर के अपने शहादत दे रहे हैं इसे मरने के लिए पैदा हुए हैं इनको संविधान ने क्या स्वच्छ हवा पानी शुद्ध वातावरण में सम्मान पूर्वक जीने का अधिकार नहीं दिया है क्या आप संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं और सुनने के लिए बैठा हूं आप बोलिए और बोलने दीजिए क्या बोलेने दूं कानून का पालन कर नहीं रहे हैं। आप बोलिए

शपथ लेकर बोलिए कानून का पालन करवा रहा हूं ई.आई.ए. की अधिसूचना जिस कानून के तहत जनसुनवाई होती है उसको मैं जा रहा हूं आप नहीं जा रहे हैं मेरे चुनौती है सार्वजनिक मंच में आप नहीं जा रहे हैं अगर आप जान रहे होंगे तो मैं भूमिगत समाधि ले लूंगा यहां मेरे को सारे कंडिका मालूम है कब संशोधित हुआ किस सन् में हुआ किस कारण हुआ किसके आवेदन पर हुआ हाई कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या जजमेंट दिया और संशोधन हुआ आप जान नहीं रहे हो और मेरे को बोलते हो ऐसा करिए वैसा करिए बिल्कुल नहीं बंद करिए आप हाथ जोड़कर प्रार्थना कर लिया प्रणाम कर लिया आपने एक पद पर है प्रशासनिक पद पर है आप सरकार से वेतन ले रहे हैं जनता से वेतन ले रहे हैं उसे कर्तव्य का निर्वहन करिए ना यहां खनिज अधिकारी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है ना पर्यावरण अधिकारी यह भ्रष्ट है तो आप काहे भ्रष्ट बना रहे हैं आप काहे चोर बन रहे हैं यह कोई चोर भ्रष्ट बेईमान दोगला यह कोई असंवैधानिक शब्द नहीं है कुत्ता बोलना भी असंवैधानिक तत्व नहीं है वफादारी है एक मनुष्य किसी के प्रति वफादार होता है कुत्ता से ज्यादा वफादार कोई नहीं होता ओपी चौधरी जैसे वफादारी कर रहा है ना वह कुत्ता बनकर कर रहा है उद्योगपतियों का और इस क्षेत्र को छत्तीसगढ़ महतारी को बेचा है और छत्तीसगढ़ महतारी के साथ बलात्कार कर रहा है यहां महिला पुरुषों के साथ वह जबरदस्ती कर रहा है हिटलर शाही कर रहा है तानाशाही कर रहा है इसको हम नहीं चलने देंगे आप मंच खाली करिए जाइए वापस जाइए जनसुनवाई बंद करो।

पीठासीन अधिकारी – अगर और किसी को बोलना है तो बोल लीजिये नहीं तो हम आगे की कार्यवाही करेंगे।

निर्मला नायक – जनता चाहती है कि सर यह लोक सुनवाई बंद हो वह नहीं चाहती है कि क्रशर चालू रहे खनन कार्य शुरू हो तो इस योजना को पूर्ण रूप से बंद करें और इस जनसुनवाई को बंद करें निरस्त करें आप। हम लोगों ने ई.आई.ए. रिपोर्ट देखें उसका जो परिणाम हो रहा है क्रेशर के कारण खनन के कारण वह भी हम लोग आपको बता चुके हैं और बार-बार दोहराया थोड़ी जाएगा सर आप बच्चे थोड़ी है हम टीचर थोड़ी हैं की समझ में नहीं आया तो दोबारा समझाया जाए सबको अवसर दिया जा रहा है सर सभी का एक ही विचार है।

राधेश्याम शर्मा – वह 5 मिनट जो बोल रहे हैं आगे की प्रक्रिया पहले प्रक्रिया निरस्त करने की करिए आप और क्या प्रक्रिया करेंगे आप समाप्त किया पूर्ण किया करके प्रक्रिया को समझ रहे हैं क्या आप हम लोगों को आप अपने जीवन काल में जितना जनसुनवाई के बारे में सुन नहीं है उतना जनसुनवाई प्रदेश में हमने देखा है झेला है आप ऐसे अधिकारी हैं जो कारण का पालन इतने बोलने के बाद और खदेड़ने के बाद आपकी आत्मा जागृत नहीं हो रही है 5 मिनट का क्या समय दे रहा है आप कैसे समय दे देंगे आप 5 मिनट का आप कानून का पालन नहीं करेंगे आप निरस्त नहीं करेंगे बंद नहीं करेंगे पूरी तरीके से अवैध फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट में आप जनसुनवाई करवा रहे हैं और आप 5 मिनट का क्या चीज के लिए आप समाप्त करके भागेंगे

यहां से यह फर्जी है हमने बता दिया और किन–किन बिंदुओं में बताएं कैसे समझाएंगे आप हमको समझाएंगे इस देश की चुनिंदा पर्यावरणीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यावरण में हमारे गुरु है आप क्या समझाएंगे हमको कानून के बारे में और पर्यावरण के बारे में हम बिना पढ़े लिखे हैं फिर भी आपसे एक लाख नहीं एक करोड़ गुना कानून को हम समझते हैं हम इस देश के पर्यावरणीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय गुरुओं के शिष्य हैं उनसे हमने सीखा है हम वैश्विक स्तर पर जो कानून बना रहे हैं पर्यावरण की उसकी जानकारी है आप जान नहीं रहे हैं पालन कर नहीं रहे हैं आप बोलते हैं 5 मिनट का समय दे रहे हैं आप घोषणा करके जाएंगे ना कैसे खुल जाएगा देखते हैं और आप कैसे खुलवा लेंगे उसको भी देखते हैं आप पीठ दिखा कर भागेंगे पुलिस के सारे भागेंगे आप में आत्म बल हो तो आप बोलिए मैं कानून का पालन कर रहा हूं जनता को आप 5 मिनट किसको समय दे रहे हैं जनता को आप कैसे 5 मिनट का समय देंगे जनता जितना समय आपसे यहां समय लेना चाहिए एक दिन दो दिन तीन दिन आपको मालूम है कितने दिन तक जनसुनवाई चलता है।

19. **गजपती डनसेना, नवघटा** – आज मेसर्स शुभ मिनरल के जनसुनवाई कार्यक्रम में सभी उपस्थित अतिथियों का और रायगढ़ से पधारे सामाजिक कार्यकर्ता शर्मा जी का बहिदार जी का दीदी सभी का मेरे ग्राम वासियों का सबका मैं अभिनंदन करता हूं मैं दो शब्द इसमें बोलना चाहता हूं हमारा इस नौघटा छैलफोरा पाली वास्तव में जो हमारे पूर्वक्ताओं ने बोला हम सब बहुत ज्यादा सही में परेशान है धूल से दस्त से अवैध खदान, अवैध क्रेशर से लेकिन मैं इसमें एक शब्द और बोलना चाहता हूं कि अगर कोई रेट खदान कर रहा है या करना चाह रहा है इससे हमको लीज बन रहा है प्लीज बनने के बाद गौण खनिज से पैसा मिलेगा पैसा मिलने से ग्राम पंचायत में गौण खनिज का पैसा आएगा जिससे गांव में विकास होगा इसलिए मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूं बाकी लोगों का अलग–अलग मुद्दा है कोई रोड को लेकर कोई और किसी बात को लेकर वह अलग मैटर है लेकिन अगर कोई स्वेच्छा से आ रहा है कि हमारा इतने सारे हमारे गांव में अवैध खदान है हम तो किसी व्यक्ति को बोलने नहीं गए हैं की बंद कर दो इसमें कार्यवाही होना चाहिए हम भी इसके शिकायत करते हैं लेकिन अगर कोई चाह रहा है रेत खदान खुले और उसमें फिर उत्खनन हो और उत्खनन से जो रॉयल्टी जो लीज बनने के बाद गौण खनिज का पैसा आएगा उसे गांव का विकास होगा तो मैं समझता हूं गांव के हित में हो रहा है जनसुनवाई और इसका मैं समर्थन करता हूं धन्यवाद।

20. **बोधराम पटेल, नवघटा** – जो हमारा गौण खनिज का पैसा आ रहा है तू यहां सेड निर्माण किए हैं रोड बना रहे हैं बोर खुदा रहे हैं मोटर लगा रहे हैं और काम चला रहे हैं हम लोग।

21. – गौणखनीज से गांव का विकास होता है इसलिये समर्थन है।

22. **अभिनव राम पटेल, छुलीपाली** – लीज के लिये समर्थन मांग रहा हूँ इसको मेरा समर्थन है।

23. **देवेन्द्र डनसेना** – समर्थन है।

24. **नंदकिशोर, छुहीपाली** – समर्थन।

25. **नितिन** – समर्थन।

26. **गजाधर डनसेना, रजघटा** – समर्थन।

27. **मेघनाथ** – समर्थन।

28. **भावेन्द्र डनसेना** – समर्थन।

29. **नारायण** – समर्थन।

30. **जितेन्द्र, नवघटा** – समर्थन।

31. **भारत पटेल, छैलफोरा** – जितने भी लोग आए हैं सभी आशीष गोयल का मुंशी है दलाल है आशीष गोयल का इनको घुरा देकर लास्ट में ही बुलाया गया है इतना परेशानी है आप जाकर देख लीजिए कलेक्टर साहब पहले जाकर धूल देख लीजिए हमारे गांव का तब जनसुनवाई करना चले हमारे पास अभी हम तुरंत बताएंगे कितना धूल है हमारे गांव में कितना परेशानी है और कितना फिट गड्ढा का लीज बनता है उससे कहीं ज्यादा गड्ढा है जाकर देख लीजिए आशीष गोयल के खदान में।

32. **दिनेश वैष्णव** – एक बार हमारे गांव में 5 दिन रुक कर देखिए पैदल चलकर देखिए जैसा पब्लिक रहती है वैसा चल कर देखिए खाना पीना सब मेरे घर में रहेगा जो काम है आप करना 15 दिन आप रह कर देखिए आपको पता चल जाएगा क्या होता है पता चल जाएगा आपके यहां जो आए हैं ना खुद का पोकलेन है खुद का ट्रैक्टर है खुद का मशीन है खुद का खदान है यहां पर मुझे बताइए यहां गौण खनिज से कितने लोगों को रोजगार मिला है आज जो बोल रहे हैं गौण खनिज का यह है वह है देख चुका हूं क्या है आज तक सब बिखरा पड़ा है मैं पूरी तरीके से इसे वंचित करता हूं किसी से गांव को किसी पब्लिक को नहीं दिया था किसी को सिग्नेचर कोई नहीं दिए थे जो लोग बोल रहे हैं पंचायत से इतने एन.ओ.सी. किए हैं सर किसी को कोई परमिशन नहीं है और ना ही कोई सिग्नेचर दिए हैं जो है फर्जी है यहां का मैं पूरी तरीके से निरस्त करता हूं इसे।

निर्मला नायक – जितने भी समर्थन करने आए थे वह सब गांव से जानते हैं वह लोग बोल रहे हैं कि वह क्या है मुझे बोलना नहीं पड़ेगा और जो त्रस्त है पर्यावरण से उत्खनन से अपने जमीन को बेचकर आज अपने गांव में ही भीख मांगने की नौबत आ गई है सांस लेने के लिए अपने घरों से निकलने नहीं पड़ रहा है पिंजरे में कैद है जैसे लग रहा है उन लोगों को एक जो भाई आए थे उन्होंने अपना वक्तव्य दिया कि मैं सांस नहीं ले पा रहा हूं अच्छे से यहां से नौघटा नहीं जा पा रहा हूं तो उन सबको ध्यान में रखते हुए इस कार्रवाई को तुरंत निरस्त करें जनता को हित में देखते हुए जनता को समर्थन करते हुए यह पूरा कार्यक्रम और क्रशर बंद करवाए।

33. – हेलो कलेक्टर जी अभी जो लोग तो आए थे वह पैसा खाए थे आप कितना खाए हो जी बोले सुन रहे हैं सर कानून का उल्लंघन हो रहा है यहां पर इतने टाइम से बोल रहे हैं सर आप सुन नहीं रहे हैं नहीं अभी जो यह दीदी बोल रही है और आए थे जो दादा जी वह बोल रहे हैं तो हमको रोक रहे हो और इतने टाइम

से वह चिल्ला रहे हैं उनका सुना नहीं है तो हो रहा है ना यह क्यों चुप रहेंगे वह चुप नहीं रहेंगे यहां उल्लंघन हो रहा है।

राधेश्याम शर्मा – इस बहन को और मेरे को चुप करने के लिए गिरफ्तार करना पड़ेगा मैं हथकड़ी पहन कर जाऊंगा यहां से मैं तुम्हारा गुलाम नहीं भ्रष्टाचार आदमी उसको तुम भ्रष्ट कह रहे हो क्या आधार है आधार यह है कि तुम कानून का और कानून के ऊपर पेशाब कर रहे हो इसका अवमानना कर रहे हो गद्दार हो इस देश के आदेश मत चलाओ मैं आदेश किसी का नहीं सुनता तुम सत्य के मार्ग में हो कानून का पालन करोगे संविधान का पालन करोगे तब मैं सुनूंगा गद्दार आज भी मेरे को आदेश करेगा चुप रहने के लिए इस पृथ्वी में कोई फायदा नहीं हुआ जो मेरा मुंह बंद करवाएगा गोली मरवाओ तब बंद होगा आवाज मेरे साथ बदतमीजी और ऐसे दादागिरी करने का अधिकार पूरे हिंदुस्तान में मैं किसी को नहीं दिया सब नौकर तुम अपने औकात में रहो मालिक से तमीज में बात करो चलो यहां से भागो। भाई खीरसागर डनसेना जी का मैं सम्मान करता हूं वह मेरा भाई है वह वैध खदान बोल रहे हैं सेंचुरी के अंदर कोई वैध खदान नहीं चल सकता इंडस्ट्री नहीं चल सकता वह मेरे भाई है समझ जाए पहले वैध और अवैध का कानून को समझ जाए संविधान को समझें वैध क्या होता है अवैध क्या होता है उनका भी सम्मान है वह जो आकार के समर्थन किए हैं वह भी हमारे भाई हैं लेकिन उनका कानून का ज्ञान नहीं है क्या वैध है क्या अवैध है 26 ग्राम पंचायत किसी को भी सूचना गया नहीं है कानून का पालन हुआ नहीं है मुनादी हुआ नहीं है आप जनसुनवाई करवा रहे हैं इस ग्राम पंचायत का एन.ओ.सी. नहीं है आपके पास कैसे आप करवा रहे हैं तो आपको खुद को कानून का ज्ञान नहीं है और आप कानून का उल्लंघन कर रहे हैं बार–बार और मेरे को बोलते हैं कि चुप हो जाओ मेरे को चुप करवाने का इस हिंदुस्तान में किसी को अधिकार नहीं है मैं जानता हूं इस देश का शासक हूं राष्ट्रपति भी मेरा सेवक है प्रधानमंत्री न्यायाधीश जो वेतन लेता है इस लोकतंत्र में जनता शासक है ऐसा दूरव्यवहार मत करिए बदतमीजी मत करिए मेरे साथ में कि मैं नंगा होकर जो कपड़ा है उसको खोलकर आपके सामने नंगई करो मजबूर मत करो मेरे को।

34. **नंदकिशोर बिसवाल नदीगांव** – माननीय महोदय आज इस पर्यावरण लोक सुनवाई में आप उपस्थित हैं आपके नेतृत्व में या सुनवाई हो रही है सर्वप्रथम मैं आपको प्रणाम करता हूं मैं अंचल का एक नागरिक होने के नाते और एक सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते आज 70 साल मुझे हो रहा है और लगभग 25–30 साल के उम्र से इस अंचल के लगभग 50 ग्राम पंचायत से मेरा संपर्क है मैं महानदी के किनारे के निवासी होने के नाते महाराज जी के तट पर बसे सभी गांव से मेरा घनिष्ट संबंध है अंचल के किसानों मजदूरों से हर समय संपर्क बना रहता है तो मैं विशेष नहीं कहूंगा मैं उद्योग का विरोध नहीं कर रहा हूं लेकिन आज इस अंधे कानून का विरोध कर रहा हूं आज शासन प्रशासन अधिकारी आंख मूंद के जो अन्याय अत्याचार नियम कानून के विरोध में काम हो रहे हैं और उसका समर्थन कर रहे हैं मैं इसका विरोध कर रहा हूं और मैं इस जनसुनवाई में अंतिम अभिव्यक्त मत अभिव्यक्त करता हूं कि इस खदान के लिए जो जनसुनवाई हो रहा है यह

पर्यावरण के प्रति शासन के नियमों के प्रति सपोर्ट में नहीं है क्योंकि गोमर्डा अभ्यारण्य 8 किलोमीटर के दायरे में आता है पर्यावरण पेड़ पौधे स्पष्ट रूप से बता रहे हैं कि यह उद्योग धूल डस्ट से ग्रसित हो रहा है लोग टीवी से प्रभावित है बीमारी से प्रभावित है इसलिए मैं अपना अभी मत देता हूं कि यह जनसुनवाई में उस उद्योग को बंद किया जाए।

पीठासीन अधिकारी – यदि कोई ग्रामीणजन, आस–पास के प्रभावित लोग अपना पक्ष रखने में छूट गये हो तो मंच के पास आ जाये। जनसुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होने पुनः कहा कि कोई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधी छूट गये हो तो वो आ जाये। इस जन सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में बहुत सारे सुझाव, विचार, आपत्ति लिखित एवं मौखिक में आये है जिसके अभिलेखन की कार्यवाही की गई है। इसके बाद 03:05 बजे कंपनी के प्रतिनिधि/पर्यावरण कंसलटेंट को जनता द्वारा उठाये गये मुद्दो तथा अन्य तथ्यों पर कंडिकावार तथ्यात्मक जानकारी/स्पष्टीकरण देने के लिये कहा गया।

कंसलटेंट – जैसा कि सब लोगों ने कहा है ग्राम पंचायत की एनओसी की कॉपी हम प्रोवाइड करवा देंगे उसमें सहमति पत्र भी है दूसरा इन्होंने आसपास के गांव के 14 लोगों को काम में रखा है और जो नई खदान प्रस्तावित है उसमें 10 लोगों को रखा जाएगा यह चीज प्रस्ताव किया गया है अभी तक जो नहीं खदान क्योंकि या नहीं खदान है प्लांटेशन और रास्ते के भी व्यवस्था करेंगे इन्होने बोला है कि गांव वालों को भी रास्ता दिया जाएगा पक्के सड़क पर चल सके।

जयंत बहिदार – 1 मिनट सर आपने किसी को पूछा और बोलना है अपने समय दिया और आपने बुलाया कंसलटेंट को धोखे से कर रहे हैं आप लोक सुनवाई स्प्लिट बंद करो इसे नियम है अवसर देने का आपने बोला आपने नहीं बोला है बहुत लोग हैं और अपने कंसलटेंट को बुलाया तो बोलना चाहिए हमने जो प्रश्न रखा है उसको मांगे कंसलटेंट से अभी प्रमाण पत्र चाहिए चलिए बोलिए कहां है कंसलटेंट चलिए बोलिए और हम लोग एक–एक चीज मांगेंगे ऐसा नहीं है कि आकर बोलकर निकल गए।

राधेश्याम शर्मा – किस–किस प्रभावित 10 किलोमीटर के रेडियस में जो 26 ग्राम पंचायत है वहां कहां–कहां पर ई.आई.ए. के रिपोर्ट गई है जनता के अवलोकन के लिए और उन 26 ग्राम पंचायत मान लीजिए अपने 10 ग्राम को सौंप दिया है बाकी को आपने छुपाया है तो उसे 10 ग्राम में कितने बार किस–किस दिनांक को हुआ है उसको भी अभी कंसलटेंट जवाब दे देंगे या आपकी अधिकारी जवाब देंगे।

जयंत बहिदार – लोकसुनवाई की प्रोसीजर ही गलत कर रहे हैं आप लोग इसको वीडियो बना रहे हैं ना।

राधेश्याम शर्मा – आप जो सोच रहे हैं की प्रक्रिया को मैं पूर्ण कर रहा हूं प्रक्रिया पूर्ण नहीं कर रहे हैं आप आप कानून का घोर उल्लंघन कर रहे हैं बार–बार बोलने के बाद आपको समझ में नहीं आ रहा है की संचुरी क्षेत्र में अभ्यारण्य क्षेत्र में कोई भी औद्योगिकीकरण कार्य नहीं हो सकता कोई भी उद्योग नहीं लग सकता फिर यह जनसुनवाई आप कैसे किस आधार पर कर रहे हैं वह कौन सा आधार है आपके पास उसको प्रोवाइड करवाइए अभी दीजिए कि कौन से कानून कि पर्यावरण मंत्रालय ने कोई नया संशोधन आपको दिया है

जिसके आधार पर आप इस जनसुनवाई को करवा रहे हैं उसको अभी दीजिए हम अभी चाहते हैं कि जिस कानून के तहत आप यहां जनसुनवाई करवा रहे हैं जिस ग्राम पंचायत एन.ओ.सी. दिया है वह ग्राम सभा का नहीं है वह पंन सरपंचों का पैसा खाकर दिया हुआ है एन.ओ.सी. उसको हमारे हाथ में दीजिए अभी तुरंत और आप किस आधार पर जनसुनवाई करवा रहे हैं उसको बताइए।

जयंत बहीदार – सर यह जो जानकारी मांगे हैं हम अभी उसको दीजिए चलिए बोलिए कहां है उसकी उपस्थिति करिए यही बोलिए माइक में आकर बोलिए देखिए आप व्यक्ति के रूप में आदरणीय हैं आपका कोई अपमान नहीं करेगा आप बोलिए एक व्यक्ति के रूप में एक मानव के रूप में इंसान के रूप में आप आदरणीय हैं हमारा विरोध कंपनी का है आपसे नहीं है आपका मालिक का भी नहीं है चलिए बोलिए ना और हम जो प्रश्न करेंगे उसका स्पष्टीकरण दीजिए यही बोलिए यही बोल दीजिए कोई बात नहीं ऐसा मुंह कर लीजिए ना सर कोई बात नहीं लो ना इसको कर दो बांध दिया है क्या चलिए बोलिए अब तो आखरी हो गया। सांहब की तरफ संबोधित कीजिए।

कंसलटेंट – सर यह ग्राम पंचायत नौघटा का एक हमारे पास है उसको मैं दे देता हूं तो इस ग्राम पंचायत में सारे पंचों ने भी साइन किया हुआ है इसकी एक कॉपी है मैं अभी अवेलेबल करवा देता हूं प्रिंट आउट निकाल के। मैं अभी प्रिंट निकाल कर इसको सबमिट करवा देता हूं।

जयंत बहीदार – सर मैंने कहा था गोमर्डा अभ्यारण अभ्यारण 10 किलोमीटर के भीतर है उसकी सीमा या यह कहिए कि गोमर्डा अभ्यारण के 10 किलोमीटर के भीतर में प्रस्तावित परियोजना है वह काफी कहां है आप बोलिए कि नहीं है करके और आप बोलिए कटंगी नल का अपने उल्लेख नहीं किया है कटंगी नाल आपके बगल से बह रहा है कैसा करेंगे।

कंसलटेंट – सर क्योंकि यह तो नहीं खदान है पहले जैसे भी जिन्होंने किया वह हमें अवगत नहीं है लेकिन हम लोग इस चीजों को जरूर में ध्यान में रखते हुए क्योंकि हमने जैसा बोला अभी तक बाउंड्री वॉल कुछ भी काम नहीं हुआ है हम बाउंड्री वॉल पूरा प्रॉपर बनाएंगे प्लांटेशन करेंगे जिससे धूल धुआं जो भी है नहीं होगा क्योंकि यह नई खदान है इससे जो भी पानी निकलेगा वह नाले में बहाए नहीं जाएगा इसमें अगर पानी भरता है उसका उपयोग पौधा रोपण या तो जो डस्ट सप्रेशन के लिए होता है एवं तो जो एबंडेंट खदान है यहां पर कुछ एबंडेंट खदान भी है जिसमें पानी भरा हुआ है उसका भी उपयोग पौधा रोपण या रोड में जो डस्ट स्प्रिंकलर के लिए जो हम लोग युज करते हैं उसके लिए यूज करेंगे।

जयंत बहीदार – परियोजना जो प्रस्तावित है उसे 200 मीटर की दूरी पर कम दूरी पर यह नाला बह रही है उसे पर क्या कहना है यह बताइए।

कंसलटेंट – सर जो नदी नाला है 200 मीटर पर उसको हम लोग लेते हैं हम यह कोशिश करेंगे कि जिस तरफ नाल है क्योंकि जल को बचाना भी जरूरी है जैसा आप लोग चाह भी रहे हैं हम भी चाहेंगे कि नाला को कोई नुकसान न पहुंचे हम उस तरफ सघन वृक्षारोपण करेंगे।

जयंत बहीदार – जल का जानकारी ही नहीं दिया है आपने।

कंसलटेंट – सर माइनिंग प्लान में मेंशन है यह।

जयंत बहीदार – कटंगी नाल बता दीजिए नहीं है।

कंसलटेंट – ठीक है सर मैं एक बार और चेक कर लेता हूं।

जयंत बहीदार – सर 12:00 बजे हमने उठाया है 4 घंटा आपको समय था कैसे कर रहे हैं बताइए। सर यह जानकारी दीजिए।

राधेश्याम शर्मा – यह अपने 12 किलोमीटर दूर का बताया है गोमर्डा अभ्यारण को और वह पैदल में 7 किलोमीटर में है तो आपने सर्वे टेबल में बैठकर किया है क्या आप क्या बोलना चाहते हैं आप तुरंत निकालिए यहां से उसका रेडियस निकालिए 7 किलोमीटर और वह जो गांव है उन गांव का जो मैं उल्लेख किया हूं उसे गांव को बताइए अभी आप गूगल से निकाल दिए आप क्या फाल्स बैठकर टेबल क किए हैं क्या मैं पूछना चाहता हूं आप गलत उत्तर 12 किलोमीटर पैदल में छाती पाली है लेकिन वह एक पॉइंट एक है हमने फॉरेस्ट विभाग में जाकर उसके अधीक्षक ने निकाल कर दिया है आप कैसे नापे हैं और किन–किन पंचायत में अपने वहां का ध्वनि वहां कमेटी वहां का पानी वहां का हवा अपने किन गांव से लिया और ग्राम पंचायत की अनुमति क्या है उसको आप दिखाइए यहीं पर आप बताइए।

जयंत बहीदार – वही चीज मैं उसको विस्तार कर रहा हूं पंचनामा बनता है कर पंचनामा नहीं बनाया है जहां पर निगरानी स्टेशन बनाए थे मॉनिटरिंग किया अध्ययन किया नहीं किया है कुछ नहीं किया सब टेबल में बैठ करके गांव का पंचनामा नहीं है मैं फिर कह रहा हूं इनका डोलोमाइट का खदान भी है और क्रेशर भी है इसका जिक्र इस ई.आई.ए. रिपोर्ट में नहीं है उसको बताइए सर यह सब चीजों को।

राधेश्याम शर्मा – 10 किलोमीटर के क्षेत्र में कितने माइंस है उसको अपने उल्लेख नहीं किया है क्यों नहीं किया है आपने सर्वे नहीं किया है यह फ्रॉड है इनको गिरफ्तार करवाइए।

जयंत बहीदार – सर इस परियोजना को जनसुनवाई को रोकते हुए स्थगित करिए क्योंकि इन्होंने ई.आई.ए. का पालन नहीं किया टी.ओ.आर. का भी इन्होंने नहीं किया और जो वन कानून है उसका भी पालन नहीं किया कटंगी नाला कटंगी नाल में इनका जो पुराना क्रेशर है शुभ मिनरल्स का यह बगल में बिलाईगढ़ में उसमें गंदा पानी नाले में छोड़ते हैं यह लोग पंप लगाकर उसका कोई उल्लेख नहीं है और यह भी है सर कानून में अगर यह मनगढ़ंत और झूठी जानकारी देंगे तो निरस्त किया जाएगा उस ई.आई.ए. रिपोर्ट को इसलिए जनसुनवाई स्थगित कर सकते हैं सर आपके अधिकार है स्थगित करने के लिए पर्याप्त कारण है और हम यह तो नहीं बोल रहे हैं कि और नहीं ला सकते अपनी जो खामियां है उसको पूरा करके फिर ला सकते हैं प्रस्तुत कर सकते हैं 4 महीने 6 महीने 10 महीने साल भर में फिर उसे समय जांच करेंगे कि सही है या नहीं आज स्थगित कर दीजिए क्योंकि कानूनन हमारे पास विधि सम्मत ऐसे बिंदु है जिसको हमने आपके सामने रखें और दिया भी है और सब में आदरणीय चंद्र साहब जो इधर–उधर बात को घूमा रहे हैं

और मैंने जो लाइसेंस की बात किया इनका जो कंसलटेंट कंपनी उनके अधिकारियों का वह वैधता तिथि समाप्त हो गया है वैलिडिटी समाप्त हो गया है फिर भी आप बोल रहे हैं तो बोलिए सर उनसे जानकारी लीजिए और हगको पंचायत की कॉपी दीजिए हम देखना चाहते हैं।

राधेश्याम शर्मा – और सर वह जो पानी बहा है नाले में वह पब्लिक न्यूसेंस है। यहां दंडाधिकारी के पद में तहसीलदार महोदय हैं अनुविभागीय अधिकारी महोदय हैं उसे जानकारी को छुपाया गया है तो एक जानकारी को छुपाया है ऐसा नहीं है इन्होंने 26 गांव में 16 गांव को लुप्त कर दिया टोपोशीट निकाल लीजिए टोपोशीट में आप यही सर्च कर लीजिए और यह जो डिस्टेंस बता रहे हैं तो अगर आपको गलत जानकारी दिया है इन्होंने ई.आई.ए. रिपोर्ट में तो यह धोखाधड़ी है चार सौ बीसी है और यह झूठे दस्तावेज तैयार किए हैं तो झूठे दस्तावेज तैयार करना उसको प्रचलन में लाना शासन प्रशासन जनता को गुमराह करना तत्काल इनको अरेस्ट करवाइए और इस कंपनी के जो गोल है उनको गिरफ्तार करवाइए और यह साहू साहब जो चुप बैठे हैं इनको गिरफ्तार करवाइए तत्काल आप जनसुनवाई को निरस्त करिए आप इसको समाप्त मत करिए आप इसको अगर ऐसा बोल रहे हैं तो हम सुनने को तैयार नहीं है और यह कोई भी स्पष्टीकरण नहीं दे पाएंगे एक झूठा आदमी एक फर्जी आदमी जो कंसलटेंट कंपनी चल रहा है उसका कंसलटेंट कंपनी का लाइसेंस तत्काल निरस्त करने के लिए लिखिए एफ.आई.आर. दर्ज करवाइए और आप घोषणा कीजिए कि यह जनसुनवाई यहीं पर निरस्त कर रहे हैं स्थगित कर रहे हैं पुणे यह नए सिरे से ई.आई.ए. रिपोर्ट बनवाएं और फिर जनसुनवाई करवाइए आप 10 किलोमीटर क्षेत्र में कोई खनन कार्य कृषि के अलावा और कोई कार्य नहीं हो सकता सारे माइंस को बंद करने का आदेश दीजिए सारे क्रेशर को बंद करने का आदेश दीजिए।

जयंत बहीदार – और चंद्र साहब ने इस ई.आई.ए. रिपोर्ट बनाने का जो सर्टिफिकेट दिया है वह अक्टूबर 21 में हस्ताक्षर किया है क्योंकि इनका लाइसेंस समाप्त हो गया है 24 का नहीं है इनका लाइसेंस वैध नहीं है अभी जारी नहीं है इसकी वैलिडिटी समाप्त हो गई है आप देख लीजिए ई.आई.ए. रिपोर्ट निकालकर जितने अधिकारी हैं सब अक्टूबर 21 में इन्होंने हस्ताक्षर किया है 2021 में क्यों भाई क्यों हुआ है एक 19 जनवरी को टी.ओ.आर. जारी किया भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने और इन्होंने ई.आई.ए. बनाया टी.ओ.आर. के आधार पर जबकि इन्होंने क्या किया अध्ययन 23 में कर लिया टी.ओ.आर. जारी होने के चार महीने पहले चालू कर दिया मगर इनका लाइसेंस तो नहीं है वह भी उसी ने रिपोर्ट दिया है इसी ई.आई.ए. रिपोर्ट में इनका हस्ताक्षर इनका सर्टिफिकेट वहां पर है यह अक्टूबर 21 में हस्ताक्षर किया है और यह लोग 3 साल से पहले की टेबल टॉप कर लिया और मगर शासन के अधिकारियों को सेटिंग नहीं कर पाए इस बीच में सरकार बदलने था अब सेटिंग हुआ है तो आया है यह जनसुनवाई में प्लीज सर आपसे हाथ जोड़कर विनती है इसको निरस्त करिए स्थगित कर दीजिए स्थगित करने का अधिकार है आपको।

राधेश्याम शर्मा – यह हिंदी की जो समरी है इसको कंसलटेंट कंपनी ने बनाया है आम आदमी पढ़ सकता है हिंदी को है कंसलटेंट कंपनी का नाम उसमें यह बता दीजिए सबके सामने में आप बता दीजिए जिसकी

व्यवस्था नहीं है जिनके लाइसेंस की उसकी ई.आई.ए. रिपोर्ट पर आप करवा रहे हैं और इतना समय आप जनता का परेशान किए हैं आप तत्काल इसको बंद करिए जनसुनवाई को स्थगित करिए यहीं पर और क्षेत्र की जनता के साथ न्याय करें आप कानून का पालन करें संविधान का पालन करें।

जयंत बहीदार – फॉरेस्ट वाले को अभी पूछ लीजिए सर फोन करके पूछ लीजिए फॉरेस्ट वाले को आपके सारंगढ़ के डी.एफ.ओ. है जो अधिकारी हैं की कितनी दूरी है पूछ लीजिए कटंगी नाले के बारे में पटवारी से पूछ लीजिए पटवारी जितना हरामखोरी करता है ना उतना कोई कर्मचारी नहीं करता पता नहीं यह गांव वाले क्यों पटवारी को झेलते हैं पकड़ के सजा देते नहीं देते हैं आप दीजिए सजा चलिए बंद करिए।

– यहां से गोमर्डा अभ्यारण विश्वासपुर आता है वहां से देखेंगे तो यह स्पेस 5 किलोमीटर से ज्यादा नहीं होगा सर और इसमें 10 किलोमीटर 12 किलोमीटर उल्लेख किए हैं सर यह चार सौ बीसी है।

राधेश्याम शर्मा – कंसल्टेंट जवाब नहीं दे पाए क्योंकि यह फर्जी ई.आई.ए. रिपोर्ट है आप तत्काल उनके ऊपर एफ.आई.आर. कंपनी के मैनेजमेंट के ऊपर और इस जनसुनवाई को आप यहीं पर स्थगित करने की घोषणा करें समाप्ति की घोषणा असंवैधानिक होगी गैरकानूनी होगी आपको अपने पद का दुरुपयोग करना चाहे तो कर सकते हैं पुलिस का उपयोग कर सकते हैं अपने प्रोटेक्शन के लिए अगर पुलिस बल नहीं होता तो आपके यहां की जनता छोड़ती नहीं आपको जाने नहीं देगी पैदल घूमती यहां उस पूरे क्षेत्र को।

जयंत बहीदार – सर यह डॉक्यूमेंट कौन देगा आप देंगे कि पर्यावरण अधिकारी देगा आज देगा कल देगा कब देगा वह बता दीजिए कंपनी के पास हम नहीं जाएंगे।

राधेश्याम शर्मा – बिना प्रक्रिया पूरा करें कंसल्टेंट हमको संतुष्ट नहीं कर पाया दस्तावेज नहीं कर पाया जवाब नहीं दे पाया फिर आप समापन की घोषणा कैसे कर रहे हैं यह प्रक्रिया विरुद्ध है आप प्रक्रिया का उल्लंघन कर रहे हैं और आपको बता दूं अभी जितने लोगों ने जिन–जिन बिंदुओं पर आपत्ति किया उसको पढ़कर सुनाना है पूरा अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है आपको पता नहीं है यह साहू कर जो आपके कान में बोल रहा है उसको आप सुन रहे हैं हम जनता बोल रहे हैं उसको नहीं सुन रहे हैं आप आप निरस्त करिए इसको या अभी हमको संतुष्ट करें आप गूगल निकालिए और देखिए ना आप किस आधार पर या जनसुनवाई करवा रहे हैं इस आधार पर जनसुनवाई के समापन की घोषणा कर देंगे आप नहीं कर सकते अभी तुरंत आप दिलवाई है दिलवा नहीं पा रहे हैं आप अभी गूगल से सर्च करवाइए आपके अधिकार नहीं है यहां बैठने का आप समापन की घोषणा करते हैं और पढ़ कर सुनाइए और बहुत सारे लोगों ने यहां आपत्ति किया उसको कंसलटेंट को जवाब देना पड़ेगा साहू साहब को भी और आपको भी आप किस आधार पर यहां पर आए हैं यह सेंचुरी क्षेत्र है प्रभावित क्षेत्र है आप कैसे यहां जनसुनवाई कर रहे हैं किस अधिकार पर प्रस्तुत किया है।

जयंत बहीदार – यह लोग कंप्यूटर और लैपटॉप को समेटना चालू कर दिए अभी कंसलटेंट का स्पष्टीकरण भी होगा हमारा आपत्ती भी नोट होगा और आप अभी पढ़कर नहीं सुने हैं जितने लोगों ने मौखिक बोला है वह जितने लोगों ने लिखित में दिया है वह आप बोलिए या नियम है वह साहू साहब आपको बता नहीं रहे हैं

कैसे समझ में नहीं आता है सर और अभी कंसलटेंट जवाब कहां दिया है हमारे प्रश्नों का जो जवाब देगा उसको नोट करेंगे मैं कल निकालूंगा पर्यावरण विभाग से और अभी पंचायत के एनओसी का दीजिए सर्टिफिकेट। दीजिये सर ग्राम पंचायत का उसको मत छुपाइए सब गांव वालों का इच्छा है और वह जवाब तो दें वह तो मिल जाएगा चलिए जितने प्रश्न उठा है मांगे इसे जवाब।

राधेश्याम शर्मा – और सिर्फ कंसलटेंट ने नहीं साहब आप इस अभ्यारण्य क्षेत्र में जो प्रभावित क्षेत्र है 10 किलोमीटर के परिधि में कई गांव आते हैं अभ्यारण्य के आप किस अधिकार किस कानून के तहत जनसुनवाई करवा रहे हैं इसको आप प्रोवाइड करवाइए आप उसको मेरे को दीजिए खाली कंसलटेंट जवाब देगा ऐसा नहीं है आप पीठासीन अधिकारी हैं आप मेरे को जवाब दीजिए किस कानून के तहत जिसके तहत आप यहां आकर बैठ गए हैं और आप समाप्ति की घोषणा कर रहे हैं आप बताइए।

जयंत बहीदार – और फॉरेस्ट से मांग लीजिए जब कानूनी प्रश्न उठा रहे हैं तो आप टालिए गत या फिर हमने गलत बोला है तो हमको गिरफ्तार कर लीजिए पहले भी जेल गए हैं कोई बात नहीं सब लोग तो चाय पिला कर भी जेल भेज देते थे बुलाते थे पर्यावरण अधिकारी साहब एसडीएम साहब डीएसपी साहब एसपी साहब वह बुलाते थे और चाय पिलाई यार कंपनी वाला लिखा है आपके खिलाफ रिपोर्ट गोयल भी लिखवा दे अंदर कर दीजिए कैसे करोगे मगर हम बोलना नहीं छोड़ेंगे ये प्रजातंत्र है।

राधेश्याम शर्मा – इस पर्यावरण जनसुनवाई में जनता के सामने मैं बता दे रहा हूं मेरे को कई फोन आ रहे हैं मेरे घर से मेरा लड़का का आया वह घर में मेरे दबाव बना रहे हैं कि वह जनता के बीच से हट जाए जनता को निपट लेंगे खरीद लेंगे सबको शासन को हम खरीद लिए हैं मिनिस्टर को खरीद लिए हैं आप अपने पिताजी को बोल नहीं तो परिणाम भुगतना पड़ेगा मेरा लड़का फोन किया है एक आज भी और मेरा भाई है वह बीजेपी का लीडर है वह फोन किया है भईया आप हट जाओ गांव वालों को हम देख लेंगे अधिकारी का क्या औकात है बोले मंत्री मिनिस्टर सभी बिके हुए हैं बोले हम सबको वारा न्यारा कर देंगे यह फोन मेरे को आया हुआ है अभी।

जयंत बहीदार – कंपनी मालिक आपको कुछ नहीं समझता जवाब दीजिए कहां भाग रहे हैं आप लोग।

निर्मला नायक – अभी बात नहीं हुआ है।

जयंत बहीदार – बंद आप लोगों का जनसुनवाई की जो प्रक्रिया है वह बंद कर दिया तो क्या बोलूंगा मैं क्या फायदा है बोलने का जनसुनवाई पूरा हुई नहीं है कहां है पंचायत का दो ना निकालिए देखिए मैं सब नागरिकों को और पर्यावरण विभाग के अधिकारियों से कहता हूं की जनसुनवाई पूरी नहीं हुई है जब जनसुनवाई के अपनी पूरी बात रख लेते हैं उसके बाद में पीठासीन अधिकारी और पर्यावरण विभाग के लोग उसका पूरा विवरण बताते हैं कि किन–किन लोगों ने क्या–क्या विचार व्यक्त किया आपत्ती किया क्या प्रश्न किया किसी का नहीं बताया है यह बोल दिया 400 लोग उपस्थित हुए बस इसलिए यह जनसुनवाई पूरी नहीं

हुई है नियम का विधिसम्मत पालन नहीं हुआ है इसलिए यह जनसुनवाई पूरी नहीं हो सकता या अवैध है यह जनसुनवाई को संपन्न किया जा रहा है यह अवैध है हम इसको लेकर के न्यायालय में जाएंगे।

राधेश्याम शर्मा – मैं समस्त माता बहन लोगों को यह कह रहा हूं कि आप लोगों को बंद करवाना है तो सड़क पर उतरना पड़ेगा आंदोलन करना पड़ेगा इसको निरस्त करना पड़ेगा चक्का जाम करना पड़ेगा आर्थिक नाकेबंदी करना पड़ेगा आज अगर कलेक्टर दोगलाई करके भाग गया पीठ दिखाकर तो वह तो हरामखोर है भ्रष्ट है लेकिन आप लोग ईमानदार बने रहे हम लोग सड़क जाम करेंगे गांव में मीटिंग करो सड़क में बैठेंगे जब तक सभी माइंस क्रेशर बंद नहीं हो जाएगा तब तक करना है एक–एक गांव हम लोग आप लोगों के साथ में हैं लड़ाई लड़ने का जरूरत है।

निर्मला नायक – सब माता बहन लोग जागृत हो जाए भैया लोग जागृत हो जाए अगर आप लोग साथ नहीं दोगे तो आप लोग के गांव का उद्धार नहीं होगा कोई नेता कोई कलेक्टर और कोई पर्यावरण मंत्री हमारा साथ नहीं देगा हम लोगों को खुद अपना समाज का लोगों का रक्षा करना पड़ेगा प्राण भी जाएगा तो कोई बात नहीं प्रदूषण के कारण प्राण तो जा ही रहा है घुट घुट कर करने के बजाय हम लोगों को ऐसे ही मर जाना मंजूर है जब तक सही निर्णय नहीं ले लेंगे हम लोगों को पीठासीन अधिकारी तब तक हम लोग नहीं हटेंगे यहां से।

पीठासीन अधिकारी – सुनवाई के दौरान 20 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में निरंक अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। लोक सुनवाई में लगभग 100 लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 33 लोगों ने हस्ताक्षर किये। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई है। लोक सुनवाई में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद! आज की लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की जाती है।

(अंकुर साहू)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़ (छ.ग.)

(श्रवण कुमार टण्डन)
संयुक्त कलेक्टर
जिला–सारंगढ़–बिलाईगढ़ (छ.ग.)